

# NEPALI AAWAZ | AN INTERNATIONAL FORTNIGHTLY 3 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5 | C | 5

Worldwide: \$0.99 Nepal: Rs. 12 www.nepaliaawaz.com October 26-November 8, 2005 Vol 1. Issue 3.



### बाल्टिमोरमा नेपालको राजनीतिक निकासको खोजी संविधानसभा नै उपयुक्त बाटो भएको निष्कर्ष

नेपालको राजनीतिक संकटको सही निकासको खोजी गर्ने क्रममा कार्टर फाउण्डेशनको निम्तोमा अमेरिका भ्रमणमा रहेका नेपालका प्रमुख राजनीतिक दलका नेताहरु अक्ट्वरको तेस्रो साता बीलटमोर आइप्गे। अमेरिकाका विभिन्न भागमा छरिएर रहेका नेपालीहरुलाई प्रजातन्त्र प्राप्तिको लडाईमा सहयोग र सद्भाव जुटाउन आग्रह गर्न त्यहा पुगेका नेताहरुको सम्मानमा बाल्टिमोरमा रहेका नेपालीहरुको संस्था बाल्टिमोर अमेरिकन नेपलिज् एसोसिएसनले एक स्वागत समारोहको आयोजना गञ्यो।



## हङकङका ब्ढास्ब्बा हई

नेपालको प्रतिष्ठित बुढासुब्बा गोल्डकप फुटबल प्रतियोगिताको हङकङ संस् करणमा हेई हेई फुटबल क्लवले हिमालयन फुटबल क्लवलाई ट्राइ ब्रेकरमा १ गोलका विरुद्ध २ गोलले पराजित गर्दै पहिलो हङकङ ब्ढास्ब्बा गोल्डकप हात पारेको छ । उक्त प्रतियोगिता गत असोज २५ र २६ गतेका दिन कउल्न पार्कमा सम्पन्न भएको थियो।

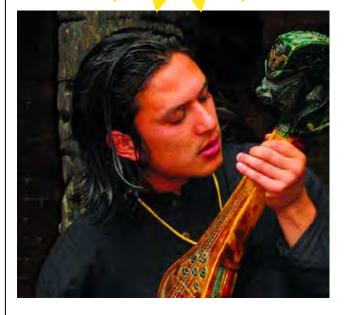
#### Women in Concert

Nepal's Annual Women's Concert hosts its third show and helps out aspiring singers and Leprosy patients along the way.



#### This issue:

News from Nepali communities in Bangkok, Houston, Hong Kong, New York, and more!



Kutumba: Not Just Another Folk Group

Kutumba has not only produced great renditions of classics, but unlike most other groups in this genre, they have also displayed their musical ingenuity by composing compelling originals And their live performances are guaranteed to make you smile, if not jump up on your feet to dance, or lose yourself in hypnotic tunes. Or all at once!

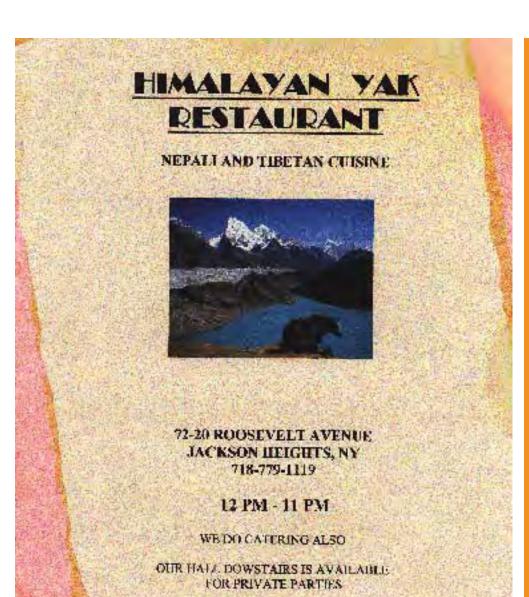
#### Sakela, the Ancient Holy Land of Kinraat Rai

In the history of Nepal, the Lichchhabi regime, was known as the era of economic prosperity whereas the Kinraat Rai dynasties (the oldest known dynasty in the history of Nepal, 11th century to the 16th century) was known as the era of cultural civilization, spiritual consciousness as well as economic development.

Ashlee Simpson & Melissa Ethridge Pin-Ups

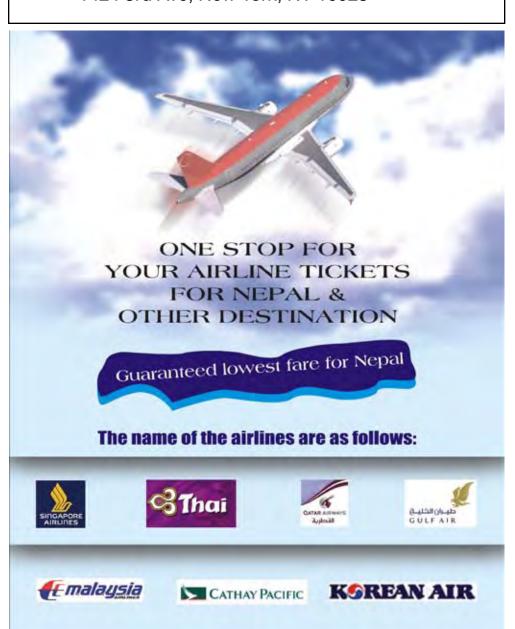






#### **Natural Frontier Market**

1424 3rd Ave, New York, NY 10028





PHONE 718-672-3080

WE DO CATERING FOR ALL OCCASIONS
PRIVATE PARTIES WELCOME

TASHI DELEK

### **GRAND OPENING!!!**

**Tibetan & Nepali Fine Dining** 

May Deepawali brings all Happiness, Peace, Progress & Prosperity to your life









## HEPALIAAWAZ | AN INTERNATIONAL FORTNIGHTLY HEPALIAAWAZ | AN INTER

New York Bureau Editor: Kashish Das Shrestha Nepali News Editor: Bel Bhujel

Correspondents and/ or Regional Representatives:

Bhaskar Rai (MN), Dawa F Sherpa (IN), Neelam Sunwar (San Francisco), Neeha Shrestha (NC), Sakar Bhushal (TX), Santosh Basnet (CA) and Shreeja Shrestha (MD).

NEPAL BUREAU

Nepali Desk Editor: Dr. Pradeep Bhattarai

Editorial Staff: Preena Shrestha (KTM), Sahara Shrestha (KTM),

Tsu C.B (KTM)

Photo Contributor: Bhushan Shilpakar (KTM), Vishal Rai (KTM) Marketing: Jaison Chalise (KTM), Krishna Raj Sharma Belbase

Distribution: Safal Media (Western Nepal), Birat Media (Eastern

Nepal)

New York Corporate Office

Publisher & Distributor: Moonlight Records Corporation Executive Director: Chandra Prakash Sharma

External Relations & Marketing Manager: Gambu Sherpa

**Contact Information:** 

Website: www.nepaliaawaz.com

General Information: info@nepaliaawaz.com Comments/Feedback: letters@nepaliaawaz.com Advertising: market@nepaliaawaz.com

Event listing: events@nepaliaawaz.com Models: models@nepaliaawaz.com

Mail:

Nepali Aawaz 51-01 39AV CC42 Long Island City, NY 11104

Nepali Aawaz: An International Weekly is publiished by Moonlight Records Corporation, NY,USA. Nepali Aawaz and Moonlight Records Corporation are both registered trademarks.



#### Letters

We would like to congratulate the Nepali Aawaz for their publication. We appreciate the media's efforts to promote Nepal in the international arena and try to bring together Nepalis everywhere of different backgrounds. Looking forward to meeting you all in the forthcoming ANA convention next 2006 at Long Island NY on July Fourth.

- Monk Krishna Man

Can you please send me the contact information of the lawyer whose immigration column I read in your paper's first issue? Thank you.

Ed: Please check the legal column (pg. 22) in this issue to find the informatino you are looking for.

Hello Nepali I Aawaz!

I couldn't find your latest issue this week. The website doesn't show it either. Thanks, Shristi

Ed: Thanks for the concern, Shristi. We have switched from weekly to fortnightly.



## दी इन्टरनेशनल

## विभिन्न देशबाट आएका विद्यार्थीहरूको माध्यामिक शिक्षाको लागि उत्कृष्ट विद्यालय

- सरकारी माध्यमिक विद्यालय, निःशुल्क भर्ना तथा सक्षम शिक्षकहरु।
- ४५० जना विद्यार्थीको सानो विद्यालय र २२-२५ जना विद्यार्थी पढाइने सानो
- लगौडिया सामुदायिक क्याम्पस हाताको सुरक्षित वातावरण।
- अंग्रेजी माध्यममा गुणस्तरीय शिक्षा।
- राम्रो हेरचाह गर्ने कर्मचारी तथा उत्कृष्ट पथप्रदर्शन एवं परामर्श सेवा।
- बाबु, आमा र परिवारसँग नियमित सम्पर्क एवं परस्पर सहयोगी वातावरण।
- माध्यमिक शिक्षा पुरा नहुँदै निःशुल्क उच्च शिक्षाको पठनपाठन।
- पाँच वर्षे कलेज एसोसिएट डिग्रीका लागि पहिल्यै नै पढाइने व्यवस्था।
- ९५% विद्यार्थी उतीर्ण तथा उच्च शिक्षाका लागि भर्नाको प्रत्याभृति।
- उच्चशिक्षामा आवेदन र भर्नाका लागि उचित परामर्श।
- 🖒 कक्षामा अध्ययनरत विद्यार्थीहरु पथप्रदर्शकको परामर्शमा भर्ना हुन सक्ने।

हाम्रा विद्यार्थीहरु भर्ना लिने केही कलेजहरु : एम. आई.टी., कोलम्बिया, स्कीडमोर, वार्ड, फोर्डहाम, एन. वाई यु, राइस, लाफाएटी, स्युनी, क्युनी आदि।

अभिभावकहरुलाई ७१८४८२५४५ मा सम्पर्क गर्न या विद्यालय भ्रमण गर्न अनुरोध गरिन्छ। यदि नेपाली दोभाषे चाहिएमा कृपया आफ्नो नाम, सम्पर्क र ठेगाना छोडी दिन्होला, नेपालीभाषीले तपाईसँग सम्पर्क गर्ने छ।

## दी इन्टरनेशनल हाइस्कूल

३१-१० थम्सन एभेन्य, लङ आइल्याण्ड सिटी, न्यूयोर्क १९१०१

#### Contents

NEWS • 4

#### **FEATURES**

पुर्वाञ्चलमा अन्तराष्टिय स्तरको मेडिकल कलेज डक्टर पढ्न युवाहरुको बढदो आकर्षण • **7** 

Shakyala, the Ancient Holy Land of

Kinraat Rai • 8

तिहारको सांस्कृतिक मूल्य• 9

Gagan Thapa Speaking Out • IO

#### **ENTERTAINMENT**

Immigration Advice • I7

Project Peace 05 • II

Women in Concert • 13

Pin Up: Ashlee Simpson • 12

PHOTO FEATURE • 24

Pin Up: Melissa Ethridge • I4

Atomic Bush • 15

Kutumba • 16

Entertainment News • I7

Dasain Entertainment • 19

SPORTS · 20

NEPALI AAWAZ | 3 OCTOBER 26-NOVEMBER 8 2005

#### सात दलले नगर निर्वाचन बहिस्कार गर्ने

सात राजनीतिक दलले सरकारले आगामी माघ महिनामा गराउन लागेको नगर पालिकाको निर्वाचन बहिस्कार गर्ने औपचारि क निर्णय गरेका छन् । १८ अक्टोवरमा भक्तपुरमा बसेका सात राजनीतिक दलको वैठकले सो निर्णय गरेको हो । साथै बैठकले माओवादीसंग तत्कालै वार्ता थाल्ने निर्णय पनि गरेको छ ।

#### माओवादी नेता जेल चलान

माओवादीको वरिष्ठ नेताहरु मातृका यादव र सुरेश आले मगरलाई नक्खु जेल चलान गरि एको छ ।पुनरावेदन अदालत पाटनले यादव र मगरलाई थुनामा राख्ने आदेश दिएपछि उनिहरुलाई थुनामा पठाइएको हो । यादव र मगरलाई तत्कालिन सशस्त्र प्रहरी महानिरिक्षक कृष्णमोहन श्रेष्ठ र उनकी श्रीमतीको हत्यामा संलग्न भएको आरोपमा कारवाही चलाइएको हो । दुइ वर्ष अघि भारतमा पत्राउ परेका माओवादी नेताद्धयलाई भारत सरकारले नेपाल सरकारसमक्ष बुकाएको थियो ।

#### माधव नेपाल भारततर्फ । वामदेव रोल्पातर्फ

खासगरी चुनावका सन्दर्भमा राजाको हठको कारण सात राजनीतिक दल र विद्रोही नेकपा माओवादीबीचको दूरी दिनप्रतिदिन घट्दो छ । संविधानसभा, लोकतान्त्रिक गण्तन्त्रका लागि लगभग सहमति बनेको छ भने त्योभन्दा अगाडि चुनावलाई असफल बनाउन सहकार्य नै हुने स्थिति देखापरेको छ । यस दूरीलाई अरु घटाउने क्रममा नेकपा एमालेका नेता वामदेव गौतम माओवादीको राजधानी मानिने रोल्पाको नयाँगाउन पुगेर गम्भीर वार्तामा संलग्न रहेको बताइन्छ भने महासचिव माधव नेपाल नौदिने भारत भ्रमणमा हुनुहुन्छ । भार तका वामपन्थी पार्टीहरुको निर्णायक उपस्थिति रहेको भारतीय सत्तारुढ गठवन्धनका नेताहरुको

निम्तोमा भारत गएका माधव नेपालले भ्रमणका क्रममा माओावदीका नेताहरुसँगको भेटघाट र वार्ताको सम्भावनालाई अस्वीकार गर्नुभएको छैन। यो वातावरण बनाउन नेकपा एमालेमा भारतपरस्त नेताका रुपमा चिनिएका खड्ग ओली बितेको एक महिनादेखि नै भारतामा डेरा जमाएर बस्नु भएको छ।

#### माओवादी युद्धविरामका दिनगन्ती शुरु

नेकपा माओवादीले भदौको दोस्रो साता तीन महिनाको लागि घोषणा गरेको एकतिर्फ युद्धविरामको म्याद सिकन अव केही दिन मात्र बॉकी छ । सम्पूर्ण राष्ट्रबासीले सरकारका तर्फबाट पनि युद्धविराम घोषणा गर्न गरेको आग्रहलाई सरकारले ठाडै अस्वीकार गरेको अवस्थामा अव माओवादीलाई थप युद्धविराम गर्न भन्ने नैतिक आधार पनि बाँकी रहेको छैन । यस्तो अवस्थामा अव मुलुक पुन: युद्धभूमिमा परिणत हुने सम्भावना बढेको छ । मुलुकका ठूला राजनीतिक पाटी र माओवादीबीच सम्बन्ध सुमधुर भइरहेको अवस था र निर्वाचन वहिष्कारका लागि सहकार्य भइसकेको अवस्थामा अब हुने युद्ध नयाँ उचाईमा हुने सम्भावनालाई अस्वीकार गर्न सिकदैन ।

#### राजाको अन्तिम त्रुप मन्त्रिपरिषद् पुनर्गठन

चुनावको एकतिर्फ घोषणा गरेका राजा अहिले मिन्त्रपरिषद् पुनर्गठनको गम्भीर गृहकार्यमा रहेको राजनीतिक अङ्कलबाजी गरिदै छ । चुनावी सरकारको खाकामा प्रस्तुत हुने अवको मिन्त्रपरिषद् पिन राजाकै अध्यक्षतामा गैर-राजनीतिक व्यक्तिहरूलाई समावेश गरेर बनाइने सम्भावना नै बढ्ता देखिन्छ । तर, एकथिर मानिसहरु के अनुमान गर्देछन् भने सर्वोच्च अदालतका कुनै पूर्व प्रधानन्यायाधीश या यस्तै गैर-राजनीतिक व्यक्तित्वको प्रधानमन्त्रीत्वमा सरकार बनाएर राजा चुनावी रडाकोबाट हुने सम्भावित अप्ठेरोबाट दोषमुक्त हुन चाहन्छन्

## Esther Employment Agency Esther Agencia de Empleo

Supermercado • Grocery • Negocios • Fabricas Ama de Case • Niñeras • Campo • Deli • Mayoristas Restaurante • Tintoreria • Salon de Belleza Pescaderia • Verduleria • Negocio de Ropa • Café Bar Muebleria • Peluqueria • Panaderia • y Mucho Mas...

136-89 Roosevelt Ave., #303, Flushing, NY 11354 (718) 762-4001

#### सात दलद्धारा चुनाव वहिष्कारको घोषणा दलहरु माओवादी संग वार्ता गर्न अग्रसर

सरकारले माघमा नगर चुनाव गर्ने र ०६३ साल भीत्रमा संसदीय चुनाव गर्ने घोषणा गर्दै निर्वाचन आयोगलाई निर्देशन दिए पनि आन्दोलनरत सात दलको एक साता अघि बसेको बैठकले निर्वाचन बहिष्कार गर्ने निर्णय गरेपछी राजनीती धुवीकरण बढेको छ भने सात दल माओवादी संग वार्ता गरेर सरकार

लाई एक्लो बनाउन अग्रसर भएको छ ।
सरकारको निर्वाचन गर्ने घोषणा निर
कुंशतालाई वैधानिकता दिने षड्यन्त्र भन्दै
नगर चुनाव सिक्रय रुपमा बिहष्कार गर्ने
घोषणा गरिसकेको छ । असंविधानीक सरकार
ले घोषणा गरेको चुनाव स्वतः अस्रवैधानीक
हुने दावी दलहरुको छ । सात दलले कुनै
पनि निर्वाचन हुन अघि निरकंकेशतन्त्र अन्त्य,
प्रजातन्त्र बहाली, माओवादी संग वार्ता गरी
दिगो शान्ति स्थापना र स्वतन्त्र तथा निष्पक्ष
चुनावका लागी उपयुक्त वातावरण आवश्यक
हुने शर्त अघि सारेकाछन ।

उता सरकारको निर्देशन पाएको निर्वाचन आयोगले भने नगर पालिका निर्वाचनका लागी एक महिना भीत्र दर्ता वा निर्वाचनका गर्न दलहरुलाई आह्वान गरेर चुनावी प्रिक्रिया सुरु गरि सकेको छ । कार्तिकको पहिलो हप्ता नै आयोगले एक विज्ञप्ती प्रकाशीत गरेर आयोगले दलहरुका लागी मंसीर ३ गते सम्मको म्याद दिएको छ । देशका ५८ नगर पालिकामा १ हजार ३ सय ५४ मतदान केन्द्र स्थापना गरि कडा सुरक्षका बीच मतदान गर्ने तयारी निर्वाचन आयोगले गसिकेको जानकारी प्रमुख निर्वाचन आयुक्त केशवराज राजभण्डार लि सार्वजनीक गरेकाछन ।

सात दलले भने सामुहीक रूपमा बिज्ञप्ती जार गर्दै वर्तमान अवस्थामा प्रतिनीधी सभाको चुनावको चर्चा निरर्थक भएको घोषणा गर्दै शाही निरंकुश सत्ताका सबै किसीमका षड् यन्त्रलाई परास्त गर्न जनसमुदायलाई आह्वान गरेको छ। दलहरुको बैठकले युद्ध विरामलाई दिगो शान्तीमा परिणत गर्न माओवादी संग वार्ताको निर्णय गर्दै त्यसको जिम्मेवारी सात दलका शिर्षस्थ नेतालाई दिएकाछन।

सात दलको बैठकले माओवादी संग वार्ताको जिम्मेवारी शीर्ष नेतालाई दिए लगतै ६ कार्तिकमा नेकपा एमालेका नेता माधवकुमार नेपाल वार्ताको योजनाका साथ भारत भ्रमणमा निस्कीएकाछन। एक हप्ताको भारत भ्रमणणका अवधिमा एमाले नेता नेपालले माओवादीका शिर्ष नेताहरु संग वार्ता गर्ने बताईएको छ। सो क्रममा नेपालले भारतीय दलका नेताहरु संग समेत भेटघाट गर्ने कार्य भईरहेको छ। नेकपा संयुक्तले केही दिन अघि राजधानीमा गरको एक चियापान समारोहमा सात दलका नेताहरुले माओवादी संग अब हुने वार्ता फलदायी हुने बताएका छन। माओवादी संग

वार्तागरी राजाको निरकुंशतालाई अन्त्य गर्न र मुलुकमा समस्या समाधान गर्न सात दलले ठोस पहल सुरु गरेको नेताहरुले बताएकाछन

दल र माओवादी वीचको वार्ताको कुराले ब्यापकता पाईरहेको स्थितीमा नेकपा एमालेका नेताहरुले भने रोल्पामा माओवादी नेताहरु संग भेटवार्ता गरिसकेको समाचार समेत आएको छ । एमालेका नेता माधव नेपाल भारत भ्रमणमा जानु अगावै अर्का नेता केपी ओली भारत मै रहेका थिए भने स्थायी कमीटीका सदस्य वामदेव गौतमले रोल्पामा माओवादी पोलिट ब्युरो सदस्य संग वार्ता गरेको खुलाशा भएको छ । गत साता रोल्पा पुगेका एमाले नेता गौतम र युवराज ज्ञावाली संग रोल्पाको होलेरीमा माओवादीका मगरात स्वायत्त प्रदेश प्रमुख तथा केन्द्रिय सदस्य सन्तोष बुढा संग भेटवार्ता भएको बताईएको छ । माओवादी संगको वार्ताका बारेमा सो पार्टीले भने कुनै जानकारी सार्वजनीक गरेको छैन।

चुनावी घोषणाको सरकारको कुटनितीज्ञहरुले समेत बिरोध जनाउदै आएकाछन । बेलायती राजदुत किथ ब्लुमफिल्डले अन्तर ाष्ट्रिय समुदायको आँखामा छारो हाल्न राजाले चुनावको नाटक गरेको र जनतालाई अधिकार हस्तान्तरण गर्न राजा वार्तामा आउन तयार नभएको टिप्पणी गरेकाछन । सात दलका नेता कार्यकर्ता संग परामर्श गर्दे ब्लुमफिल्डले भनेकाछन-"युरोपेली युनियन र बेलायत सर कार कहिल्यै पनि राजाको निरंकुश कदमको समर्थन गर्न सक्दैनन ।" पश्चिमाञ्चल क्षेत्रको भ्रमणमा रहेका ब्लुमफिल्डले वर्तमान राजनैतिक गतिरोध अन्त्यका लागी राजा दल र माओवादीको त्रिपक्षिय वार्ता आवश्यक रहेको औल्याउनुभएको छ ।

संयुक्त राष्ट्रसंघको नेपालका लागी आवासीय प्रमुख माथ्यु कहानेले भने नेपालमा शान्तिवार्ता र दिगो शान्तिका लागी सबै खाले उपाय अपनाउन आग्रह गरेकाछन । नेपालमा १८८६ देखी फैलिएको द्धन्द्धले गरीबी, रोग र भोकबाट पीडीत जनतालाई अफ पीडा थपेको बताउदै दिगो शान्तिका लागी पहल गर्न सबैलाई आग्रह गरेकाछन । राष्ट्रसंघ स्थापनाको ६० औ वार्षिकोत्सव मनाउनेक्रममा राजधानीमा आयोजीत एक समारोहमा कहानेले माओवादीलाई युद्ध विराम अभ लम्ब्याउन समेत अनुरोध गरेकाछन ।

## देशभर संञ्चार नियन्त्रण अध्यादेश दहन सर्वोच्चद्धारा सरकारलाई कारण देखाउ आदेश

सरकारले स्वतन्त्र प्रेसको घाँटी निमोठन जारी गरेको संञ्चार नियन्त्रण अध्यादेशको बिरोधमा संञ्चरकर्मी तथा गर्दे देशब्यापी बिरोध भईर हेको स्थितमा सरकारले ४ कार्तिकको मध्य रातमा डकैती शैलीमा कान्तिपुर एफएम माथी आक्रमण गरि प्रसारण उपकरण लुटेर लगेपछी आक्रमणको चौतर्फी निन्दा र भर्त्सना संगै अध्यादेश दहन गर्ने कार्य भईरहेको छ

नेपाल बार एशोशिएसन, नेपाल पत्रकार महासंघ लगायत नेपालका प्रमुख ६ प्रमुख पेशागत संघ संगठन तथा संञ्चार सम्बद्ध संस्थाहरुले संञ्चार सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संसोधन गर्न बनेको अध्यादेश बदर गर्न माग गर्दै ६ कार्तिकमा सर्वोच्च अदालतमा दिएको संयुक्त रिट निवेदनको सुनुवाई गर्दै सर्वोच्च अदालतले सरकारलाई कारण देखाउ आदेश जारी गरेको छ । कान्तिपुर एफएम माथी भएको आक्रमणको विरुद्ध दिईएको छुट्टै रिटमा पनि सर्वोच्चले सरकारसंग आक्रमणको लिखीत कारण माग गरेको छ ।

असंवैधानीक जारी ढंगले सरकारबाट अध्यादेश खारेज गर्न पेशागत संगठनहरूले संविधानद्वारा प्रत्याभुत प्रेस स्वतन्त्रता, विचार र अभिब्याक्तीको स्वतन्त्रतामा अन्चित बन्देज लगाउने गरी ऐनमा संसोधन गरिएको जनाउदै सत्तचार सम्बन्धी अध्यादेश संविधानको धार ा १,२३ र ८८ (१) बमोजीम स्र देखी नै अमान्य बदर घोषित गर्न माग राखी रिट दायर गरिएको थियो । संकलन, बिक्री बितरण तथा समाचारम्लक कार्यक्रम प्रसारणमा रोक लगाउने, बेईज्जती वा दुरुत्साहन भयो भनी कैद र जरिवाना गर्ने कार्य भईरहेकाले रिटको अन्तिम टुङ्गो नलागे सम्मका लागी संसोधीत प्रावाधान अनुसारको क्नै पनि बन्देज नलगाउन वा क्नै कार वाही नगर्नु नगराउनु भनी सरकारका नाममा अन्तरिम आदेश जारी गर्न समेचत रिटमा माग गरिएको छ।

मन्त्री परिषदको सचिवालय, प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रि परिषदको कार्यालय, कानुन,न्याय तथा संसदिय व्यावस्था, सुचना तथा संञ्चार र गृह मन्त्रालयलाई रिटमा विपक्षी बनाईएको छ। संयुक्त रिट दायर गर्नेमा नेपाल पत्रकार महासंघ, नेपाल बार एशोशिएसन, नेपाल प्राध्यापक संघ, नेपाल चिकीत्सक संघ, नेपाल ईञ्जिनियर एशोसिएशन र नेपाल शिक्षक युनियन रहेकाछन भने संयुक्त निवेदन दिनेमा सामुदायिक रेडियो प्रसारक संघ, स्वतन्त्र रेडियो बचाऊ आन्दोलन र बोर्ड काष्टिङ एशोसिएशन अफ नेपाल रहेकाछन।

कान्तिपुर एफएमका निर्देशक विनोदराज

ज्ञावालीले दायर गरेको अर्को रिटमा भने सरकारले लगेको आफ्नो एफएम रेडियो स्टेशनको अपिलंक गर्ने प्रसारणयन्त्र फिर्ता गराई पुनः नियमीत कार्यक्रम प्रसारण गर्न आदेश जारी गर्न माग राखीएको छ । एफएमको पुल्चोक स्थिती कार्यालयबाट शुक्रबार राती भेंडेटारको स्टेशनमा लिंक गर्ने यन्त्र जब्बरजस्ती लगेको र सुचना तथा संञ्चार मन्त्रालयले समाचारमुलक कार्यक्रम रोक्न सक्ने प्रवल सम्भावना भएको जनाउदै रिटको अन्तिम टुङ्गो नलागे सम्मका लागी समाचार प्रसारण नरोक्नु भनी अन्तरिम आदेश जारी गर्न माग गरिएको छ ।

रिट निवेदनको प्रारम्भीक सुनुवाई पछी प्रधानन्यायधीश दिलीपक्मार पौडेलको ईजलाशले सरकारलाई कारणदेखाउ आदेश जार ी गरेको थियो। अध्यादेशको कार्यान्वयनलाई तत्काल रोकेर समाचार प्रसारणलाई अवर ोध नपुऱ्याउन अन्तरिम आदेश जारी गर्ने वा नगर्ने विषयमा भने सर्वोच्च अदालतले आगमी १३ गते निर्णय गर्नेभएको छ । प्रधानन्यायधीश पौडेलले अन्तरिम आदेशबारे छलफलका लागी बोलाईरहेको अवस्थामा सर कारले यसको कार्यान्वयन नगर्ने र एफएम माथि थप कार्वाही नगर्ने क्रामा आफ् विश्वस त रहेको बताउनुभएको छ । निवेदकहरूलाई आश्वस्त पार्दे उहाले भन्नुभएको छ -"जब्बर जस्ती गरेमा फेरी अदालत आउन्होला । मुद्धा विचाराधीन हुदाहुदै कसैले जब्बरजस्ती गर्न मिल्दैन । सरकारले पनि त्यसको पालना गर्नपर्छ । "विरष्ठ अधिवक्ताहरु दमननाथ ढुङ् गाना, स्वास नेम्बाङ, शम्भ् थापा, टिकाराम भट्टराई सहीत दश जनाले अध्यादेश खारेजी र एफएम माथी आक्रमण तत्काल रोक्नका लागी आदेश जारी गर्न आधार पेश गरेका थिए ।

सर्वोच्चले अध्यादेशका बारेमा सरकारलाई प्रश्न उठाईसकेकाले यसको कार्यन्वयन हुन नसक्ने कानुनविद्हरुले बताएकाछन । बार एशोसिएशनका अध्यक्ष शम्भु थापाले यसबारे छलफल नहुञ्जेल सरकारले कुनै पिन कदम चाल्न नमील्ने उहाँले बताउनुभएको छ । विर ष्ठ अधिवक्ता दमननाथ ढुङ्गानाले अदालतले रोक्दै जाने र सरकारले अटेर गर्दै जाने हो भने छुट्टै नोटिस जारी गर्न सिकने जीकिर गर्दे अध्यादेश अदालतको अवाज्ञा भएको बताउनुभयो । "अध्यादेशको नाममा संञ्चार क्षेत्र माथी गलत अस्तक्षेप भएको छ ।" ढुङ्गानाको भनाई थियो ।

संञ्चार नियन्त्रण अध्यादेश र स्वतन्त्र संञ्च माध्यम माथी आक्रमणको विरोधमा देशब्यापी

बिरोध प्रर्दश नभइरहेकाछन । नेपाल पत्रकार महासंघले सरकारले गरेको नाङगो हस्तक्षेप देशभरका पाँचहजार पत्रकारलाई आन्दोलनमा उतार्ने जनाएको छ। महासंघका महासचिव महेन्द्र विष्टले चितवन शाखाको अन्तरिक्रया कार्यक्रममा सो क्राको घोषण गर्दै भने-"अब सरकार बिरुद्ध हैन सरकार खारेजीको माग गर्दे हामी सडकमा उत्रन्छौ।" महासंघका कार्यवाहक सभापती शिव गाउलेले अब पत्रकारहरुको आन्दोलन सडक, न्यायलय र पत्रिका तीन तीरबाट अघि बढने बताएका छन। अध्यादेश बिरुद्ध आन्दोलनरत पक्षधरलाई बदनियत ढंगले आक्रमण गरेकोमा आपती जनाउदै कावा सभापती गाँउलेले भने -"पीत पत्रकारिता भएकाले अध्यादेश ल्याईएको भन्ने सरकारी संञ्चार माध्यमले नै यतीबेला गैर व्यावसायीक, उच्छुङ्खल पत्रकारिता गरेकाछन ।" स्वतन्त्र संञ्चार माध्यमलाई समाप्त गर्न ल्याईएको अध्यादेशका बिरुद्ध सिंगो नागरिक समाज , पेशकाकर्मी एक जुट भएर आधार भृत रक्षा गर्नुपर्ने गाउलेले बताएकाछन ।

उता संञ्चारमन्त्री टंक ढकालले अध्यादेश बिरुद्ध पेशागत संग संगठनहरु अदालत गएकोमा आपती प्रकट गरेकाछन । उनले सञ्चार अध्यादेशको पालना नगरेकै कारण कान्तीप्र एफएम माथी मध्यरातमै आक्रमण गरेको बताएकाछन । सञ्चार समुहद्धारा र ाजधानीमा ७ कार्तीकमा आयोजीत कार्यक्रममा बोल्दै हकालले भने-"जसलाई मर्का परेको हो ऊ गएर मुद्धा दर्ता गरे भईहाल्यो नी, स्वतन्त्र निकनय भन्ने अनि लावा लश्कर लिएर मुद्धा दर्ता गर्न अदालत जाने ?" अध्यादेश जारी गर्ने नगर्ने भन्ने सम्बन्धमा अन्तर ाष्ट्रिय सम्दायलाई प्रतिक्रीया नदिन चेतावनी दिदै मन्त्री ढकालले भने-"हामीले कस्तो ऐन कानुन बनाउने भन्ने कुरा हाम्रो हो, बिदेशी मीत्रहरुलाई म यसबारेमा नबोल्न भन्छु।" अहिले देशका बिभीन्न स्थानमा पत्रकार, बद्धिजीवी, राजनीतिज्ञ, मानवअधिकार वादी, कानुनवीद्धहरुको उपस्थितीमा संञ्चार अध्यादेश जलाउने काम लगातार भरहेको छ । अध्यादेश बिरुद्ध ७ कार्तीकमा नेकपा एमाले समर्थक बिद्यार्थी संगठन प्रजातान्त्रीक युवा संघले राजधानीमा बिरोध जुलुश प्रर्दशन गर्दै अध्यादेश दहन गरेका थिए।

We would like to wish the New York based weekly Nepali Aawaz all the best for their future. Congratulations! Mr. Sambhu Moktan and Mrs. Nandu Moktan, NY.

#### Remember us for:

Wedding Gathering Anniversary Birthday and More...

#### Moktan

Digital Video

DVD and VHS Tape with special effects titles and background music of your own choice at very low cost

We convey our best wishes to all the Nepalis people on the special occasion of Happy Dipawali 2062.

Kamal Parakh & Raj Mani

#### **BROADWAY'S KING**

DELI GROCERY & CONVENIENT STORE

816 Broadway, Flushing Avenue, Brooklyn, New York.

## बाल्टिमोरमा नेपालको राजनीतिक निकासको खोजी संविधानसभा नै उपयुक्त बाटो भएको निष्कर्ष

SHIVA BISTA



नेपालको राजनीतिक संकटको सही निकासको खोजी गर्ने कममा कार्टर फाउण्डेशनको निम्तोमा अमेरिका भ्रमणमा रहेका नेपालका प्रमुख राजनीतिक दलका नेताहरू अक्टुबरको तेस्रो साता बीलटमोर आइपुगे। अमेरिकाका विभिन्न भागमा छुरिएर रहेका नेपालीहरूलाई प्रजातन्त्र प्राप्तिको लडाईमा सहयोग र सद्भाव जुटाउन आग्रह गर्न त्यहा पुगेका नेताहरूको सम्मानमा बाल्टिमोरमा रहेका नेपालीहरूको संस्था बाल्टिमोर अमेरिकन नेपलिज् एसोसिएसनले एक स्वागत समारोहको आयोजना गळ्यो। भेलालाई सम्वोधन गर्दै नेताहरूले संविधान सभा नै नेपालको राजनीतिक निकासको मूल आधार हुन सक्ने सामुहिक विचार प्रस्तुत गर्दें त्यसका लागि जनमत निर्माण गर्न अमेरिकामा रहेका नेपालीहरूलाई आग्रह गरे । नेपालको समसामियक राजनीति र राजनीतिक दलहरूको भूमिका विषयमा भएको उक्त कार्यक्रमा बोल्दै नेपाली कांग्रेसका नेता डा. रामशरण महतले देश दोहोरो संकटमा परेको बताउँदै हामी घोर बामपन्थी र घोर दिक्षणपन्थी दुवैको विरोध गर्दछौं भन्नुभयो। एकलौटी शासन चाहे राजाको होस् चाहे कुनै तानाशाहको त्यो मान्य हुने छैन भन्दै उहाँले वर्तमान संकटको निकास भनेको अन्तर्राष्ट्रिय सुपरिवेक्षणमा संविधानसभाको चुनाव हुने मत राख्नुभयो। उहाँको जोड थियो नेपालमा राजाको स्थान के हुने त्यसको छिनोफानो

अव संविधान सभाले मात्र गर्नेछ।

सभालाई सम्बोधन गर्दै नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले)का नेता भलनाथ खनालले भन्नुभयो, अबको लडाइँ पूर्ण प्रजातन्त्रको लडाइँ हो । राजनीतिक पार्टीलाई पाखा लगाएर प्रजातन्त्र फस्टाउँदैन । सरकार विगठन वा बनाउने, शाही सेना एक्लैले परिचालन गर्ने अधिकार वर्तमान राजालाई नभएको बताउँदै खनालले अगाडि उल्लेख गर्न्भयो, ज्न देश आन्तरिक कलहमा जान्छ तब बाह्य शक्ति चलखेल गर्ने वातवरण बन्दछ । त्यो वातावरण राजाले नै बनाएका हुन्, राजा नै यसमा दोषी देखिन्छन् । मानवअधिकारवादी नेता पद्मरत्न तुलाधर को चिन्ता थियो, शान्तिपूर्ण तवरले समस्याको समाधान भएन भने देशको अस्तित्व खतरामा पर्दछ । त्यसैले संविधानसभाको माध्यमबाट वर्तमान संकटको निकास खोजिनुपर्छ । सोही पार्टीका अर्का नेता अशोक राईले आशा र विश्वास लिएर तपाईंहरु समक्ष उपस्थित भएका छौं भन्दै राजाको कदमको विरोध गर्नुभयो। नेपाली कांग्रेस (प्रजातान्त्रिक)का नेता विमलेन्द्र निधिको कथन थियो, नेपाल अहिले हिंसात्मक द्धन्द्धमा पिल्सिएको छ र त्यो द्धन्द्ध अब त्रिपक्षीय बन्न पुगेको छ त्यसैले वर्तमान राजनीतिक संकटको निकासको मूल एजेण्डा संविधानसभा हुनुपर्छ । सोही पार्टीका प्रवक्ता डा. मिनेन्द्र रिजालले आजको नेपालको लडाइँ विधिको शासन निर्माण गर्ने क्राको हो भन्दै हिंसाले समुन्नत समाजको निर्माण

हुन नसक्ने जिकिर गर्नुभयो । उहाँको तर्क थियो, विकासको पहिलो सर्त हो शान्ति र त्यसका लागि दुवैथरीका बन्दुक भाँचिनुपर्छ

जनमोर्चा नेपालका नेता परि थापाले भन्नुभयो खाने, लाउने र काम गर्ने कुराबाट मान्छेमा विभाजन नदेखियोस् हामी त्यस्तो लोकतन्त्रको पक्षमा छौं। नेपाल सद्भावना पार्टी (आनन्दी समुह)का अनिल भाले प्रजातन्त्रमा मात्र सबै कुरा फस्टाउन पाउँछ भन्दै २०४६ सालको जनआन्दोलनपछि गठित मिल्लक आयोगको प्रतिवेदनलाई लागू गरेको भए सायद आजको स्थिति आउने थिएन कि ? त्यसैले राजा, प्रचण्ड र हामी सबैले वितेको कुराबाट पाठ सिक्नुपर्ने बताउनुभयो।

राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीका नेता तथा पूर्व आइजीपी धुबबहादुर प्रधानले राजाको माघ १८ को कदमपछि हट्नुपर्छ भन्दै आफूहरु जसरी भए पनि शान्ति स्थापना गर्न प्रतिवद्ध रहेको बताउनु भयो । कार्यक्रममा उपिस् थित राजाका पूर्व जर्नेल विवेक शाहलाई आयोजकहरूले बोल्न आग्रह गरे पनि उहाँले केही बोल्न चाहनुभएन । डिल्ली पौडेलले सञ्चालन गर्नुभएको समारोहमा आयोजकका तर्फबाट मोहन थापा, प्रेम राजा महत, प्रेम संग्रौला र डा. अम्बिका अधिकारीले पनि आ आफ्ना मन्तव्य राख्नुभएको थियो ।

#### रिजउडमा नेपालीहरुको दशै: निधारमा रातो टीका र कपालमा पहेलो जमराले नेपाल बिर्सायो

नेपालका विदेशी मित्रहरूको उपस्थिति थियो। कार्यक्रमका प्रमुख अतिथि संयुक्त राष्ट संघका लागि नेपालका स्थायी प्रतिनिधि मधुरमण आचार्यले रिजउड नेपलिज सोसाइटीले नेपाली भाषा र संस्कृति जगेर्ना गर्ने क्रममा दशै कार्यक्रम आयोजना गरेर सबैलाई सहभागी गराएकोमा आयोजकको मुक्तकण्ठले प्रशंसा गर्दे अमेरिकामा रहेका सबै नेपालीहरूलाई वियादशमीको शुभकामना दिनुभयो। उहाँले



न्युयोकंमा यत्रो संख्यामा नेपालीह जम्मा भएर आफ्नो चाडपर्व मनाउनु ठूलो कुर । भएको बताउँदै राजदूत आचार्यले हामी जहाँसुकै भए पनि आफ्नो देश, भाषा, संस् कृति, चाडपर्वलाई प्रचारप्रसार गर्ने काममा जुट्नुपर्ने आग्रह गर्नुभयो।

दुर्गे भवानी भजनबाट सुरु गरिएको कार्यक्रम दुई सत्रमा विभाजित थियो । पहिलो शत्रमा विशेष सांस् कृतिक कार्यक्रमअन्तर्गत नेपाली भेषभूषामा प्रस् तुत नाचगानका कारण सहभागी सबैले नेपालको तिर्सना मेटाएको अनुभव गरे । कार्यक्रममा प्रस्तुत गरिएका नृत्य, गायनमा रिजउडका स्थानीय नेपाली कलाकारको सहभागिता थियो भने कलाकारलाई नाचगानको प्रशिक्षणका सांथै सहभागीलाई मनोर

न्जन प्रदान गर्न महत्वपूर्ण भूमिका रिना ज्ञवालीले निर्वाह गर्नुभएको थियो। कार्यक्रममा सहभागी कलाकारहरु शारदालक्ष्मी श्रेष्ठ, रिना ज्ञवाली, कलावती खरेल, मीना श्रेष्ठ, प्रिया कोइराला, प्रिया शाही, पूजा शाही, रुमी केसी, सुनिल बुढाथोकी, अनिल शाही, रिता गुरु ( देवकोटा), साम्राज्ञी सुवार, सलोनी अग्रवाल, किशोर भण्डारी, राजेश थापा, रेजिना शाही, निलम केसी, रियंका कोइराला, जगत खडका,

रविकिरण कोइराला, ऋषि पराजुली, उज्ज्वल मैनाली, शान्ति महर्जन, विष्णु खड्का, राज श्रेष्ठ, सुरेश श्रेष्ठलाई कार्यक्रमका प्रमुखअतिथि संयुक्त राष्ट संघका लागि नेपालका स्थायी प्रतिनिधि मधुरमण आचार्यले प्रशंसापत्र एवं ट फी प्रदान गर्नुभयो। समारोहमा रिजउड नेपलिज सोसाइटीलाई विशेष सहयोग प्रदान गर्ने डा. तारा निरौला र अमेरिकी नागरि क राजीव गोयललाई समेत प्रमुख अतिथि शर्माबाट प्रशंसापत्र प्रदान गरिएको थियो । कार्यक्रमको दोस्रो शत्रमा परिकार महोत्सव र डान्स पार्टीको आयोजना गरिएको थियो। समापन समारोहलाई सम्वोधन गर्दे संस्थाका अध्यक्ष मोहनबहादर ज्ञवालीले रिजउड नेपलिज सोसाइटीको स्थापना र उद्धेश्यका बारेमा प्रकाश पार्नुभएको थियो। कार्यक्रममा रिजउड नेपलिज सोसाइटीले न्युयोर्कका उपाध्यक्ष श्री पराजुलीले स्वागत भाषण तथा सचिव सर ोज श्रेष्ठले संगठनात्मक गतिविधिबारे प्रकाश पार्नुभएको थियो । कार्यक्रमवेदप्रसाद खरेल, सविता श्रेष्ठ र ओम ढोडारी ारा सञ्चालित थियो ।

6 | NEPALI AAWAZ

## पुर्वाञ्चलमा अन्तराष्ट्रिय स्तरको मेडिकल कलेज डक्टर पढ्न युवाहरुको बढदो आकर्षण

नेपाललाई स्वास्थ्यको क्षेत्रमा स्वावलम्बी बनाउन आवश्यक डक्टर तथा स्वस्थ्यकर्मी उत्पादन गर्ने लक्ष्य लिएर पुर्वाञ्चलको धर ानमा स्थापना भएको वीपी कोईराला स्वास् थ्य बिज्ञान प्रतिष्ठान नेपालका अन्य मेडिकल कलेजहरु भन्दा फरक ढङगले अघि बढिर हेको छ ।

अक्टोवर १८८४ मा पहिलो पटक एम.बी.बी.एस. कक्षा सुरु गर्दा ३० जना मात्र बिद्यार्थी भर्ना लिने यस मेडिकल कलेजले १ अगस्त २००४ देखि सुरु हुने कक्षामा ७५ जना बिद्यार्थी भर्ना लिएको छ । प्रतिष्ठानबाट हाल सम्म १ सय ५८ जना डक्टर उत्पादन भई सकेकाछन भने ४७ जनाले यसै वर्ष आफ्नो पढाई पुरा गर्दैछन। त्यस्तै धमाधम डक्टरी पढिरहनेहरुको संख्या २ सय ४८ रहेको छ । एम.बी.बी.एस.संगै वि.एस्सी. नर्सिङ, वि.डि.एस., वि.एम.आई.टि., एम.डि. / एम.एस., एम.एस.सि., प्रमाणपत्र तह नर्सिङ र अपरेशन थियटर एण्ड एलाइण्ड साइन्सेसका कक्षाहरु प्रतिष्ठानमा संञ्चालित छन । सबै कक्षामा गरेर १ हजार ८६ जना बिद्यंथी अध्ययनरत छन भने यस वर्ष एम.बी.बी.एस.का ७५ गरि सबै कक्षँबाट २ सय ४२ बिद्यार्थी थिपएका छन । जसमा सबै कक्षाबाट ५३ जना जित बिद्यार्थीले अगर तको पहिलो साता भित्र पढाई पुरा गर्ने प्रतिष्ठानको शैक्षिक बिभागले जनाएको छ । प्रतिष्ठानमा रहेका डेढ सय शिक्षक मध्ये हाल पचास जना भारतिय छन। प्रतिष्ठानका अनुसार नया भर्नाका लागी भर्नाका लागी पत्रिकामा विज्ञापन प्रकाशित गरेर खोलिने र आवेदन दिने बिद्यार्थीहरुको परिक्षा लिन प्रतिष्ठानको उपकुलपतिको अध्यक्षतामा सेण्ट्रल हेल्थ साईन्सेस एडिमशन टेष्ट स्टेयरिङ किमटी गठन गरिन्छ । साथै कम्प्युटर प्रविधीमा ओ.एम.आर सिटलाई प्रयोग गरि स्क्यानिङ प्रविधीबाट नितजा प्रकाशन गरिन्छ।

#### बढ्दो आकर्षण

हरेक वर्ष ठुलो संख्यामा नेपाली र भारतिय युवाहरु डक्टरी पह्ने चाहना लिएर धरान आउने गरेका छन। यस वर्ष एम.बी.बी.एस. मा ७५ जनाको भर्ना कोटामा १ सय ५ जना भारतिय युवाहरु सहित १६ सय २३ जनाले आवेदन दिएका थिए। यी मध्ये ८८ जना भारतिय सहित १५ सय ७५ परिक्षामा सामेल भए। त्यसैगरी २० जनाको कोटा रहेको वि.एस्सी नर्सिङमा १सय ४० जनाले, ६ जनाको कोटा रहेको वि.एम.आई.टिका २८ जनाले ४० जनाको कोटा रहेको प्रमाणपत्र तह नर्सिङका ८ सय १६ जनाले, १० जनाको कोटा रहेको अपरेशन थियटर एण्ड एलाइण्ड साइन्सेसका लागी २२ जनाले आवेदन दिएका थिए। भने ४५ जनाको कोटा

रहेको एम.डि. / एम.एस.का लागी ३८ जनाको मात्र आवेदन परेको थियो ।

वीपी प्रतिष्ठानमा एम.बी.बी.एस. पढन चाहनेका लागी न्युनतम शुल्क तिर्ने, आंशीक शुल्क तिर्ने र पुरै शुल्क तिर्ने गरी तीन समुहमा बिभाजित गरेर शुल्क निर्धारण गरि एको छ। ७५ वटा कोटामा तीन समुहमा २६/२६ र २३ वटा भर्ना कोटा छुट्याईएको छ । जसमा न्युनतम शुल्क तिर्ने समुहमा खुल्ला प्रतिस्पर्धाबाट १६, दुर्गम जिल्लाका ४, प्रतिष्ठान कर्मचारी १, भारत २, दलित १, जनजाती १ र महिलाको १ कोटा र हेका छन । त्यस्तै आंशिक शुल्क तिर्ने कोटामा भारतको लागी तीन र अरु २३ वटा कोटा नेपालीका लागी रहेका छन । पुरै शुल्क तिर्ने कोटामा भने नेपाल बाहेक दक्षिण्ण एसीयाली सार्कको लागी १४ वटा र दक्षिण एसिया क्षेत्र बाहिरका देशका लागी द वटा कोटा रहेको छ। न्युनतम शुल्क अन्तर्गतको पढाईमा दश प्रतिशत बिद्यार्थीलाई ऋण स्विधा संगै अन्य सह्लियतहरु प्रदान गरिएको छ। यस समुहकाले ५ वर्ष सम्म पढ्दा ट्युशन शुल्क जम्मा २ लाख ५४ हजार बुभाउन पर्छ । तर दोस्रो समुहको आंशिक शुल्क तिरेर पढ्नेहरुले भने ५ वर्ष सम्ममा ट्युशन शुल्क नै १३ लाख जति तिर्नु पर्ने हुन्छ। यो समुहकालाई पढाई पुरा गर्न प्रतिष्ठानमा १४ लाख ४७ हजार रुपैया लाग्छ । त्यस्तै पुरै शुल्क तिरेर पढ्ने सार्क र नन सार्क कोटामा ५५ हजार डलर र ६५ हजार डलर तिर्नु पर्ने प्रावधान रहेको छ । बिदेशीका लागी छुट्याईएको यो कोटामा बिदेशी आयस्रोत भएका कुनै पनि नेपालीले पनि डलर तिरेर पढ्न पाउने ब्यावस्था गरि एको छ । यसरी पढ्न आउने नेपालीलाई रकमको दश प्रतिशत छुट् दिने गरिएको छ । प्रतिष्ठानका उपकुलपति लोकबिक्रम थापा नसक्ने र दुर्गम क्षेत्रका लागी कम रकम र सक्नेका लागी बढी रकम लिने नियम नै रहेको बताउछन । भन्छन-"हनेले ५० लाख सम्म तिरेर पनि पढिरहेका छन, नसक्नेलाई त्यहि शिक्षा एकदमै सस्तो पनि छ।"

गत वर्षदेखी दलित, जनजाती र महिलाको कोटा छुट्याईएको र दुर्गम क्षेत्रका नेपालीका लागी भर्ना प्रिक्रिया सरल बनाईएको प्रतिष्ठानले जनाएकोछ । शैक्षिक बिभाग प्रमुख गौतम प्रथम समुहका १४ जनजातीको लागी कोटा छुट्याईएको बताउछन । भन्छन - "जनजातीको सिट आरक्षणमा १४ जातिबाट अरु बढाउनुपर्ने भएको छ तर यसको निर्णय प्रतिष्ठानको सिनेटले गर्नुपर्छ ।"

नेपालमै डक्टरी पढ्न पाईने र बिदेश जान नपर्ने भएपछी मेडिकल शिक्षा तर्फ



BJAVA RIMAL

युवाहरुको आकर्षण बढेको तर सिमीत कोटा भएका कारण सबैको पढ्ने चाहना पुरा हुन सकीरहेको छैन । शैक्षिक बिभाग प्रमुख गौतम भन्छन-"बढ्दो आकर्षण र यसको उपयोगितालाई ध्यान दिएर वर्षेनी कोटा थप गरिए पनि प्रयाप्त हुनसकेको छैन ।"अहिले नेपाल मेडिकल काउन्सिलले एम.बी.बी.एस.मा सय जना सम्म भर्नाको स्विकृती दिए पनि प्रयाप्त शिक्षक नभएका कारण कोटा थपन नसिकएको गौतमले बताए । डक्टरी कक्षा सुरु भएको दुई वर्ष पछी अगष्ट १८६६ बाट प्रतिष्ठानले नर्सिङ कक्षाहरु समेत संञ्चालन गरेर स्वास्थ्यकर्मीहरु उत्पादन गर्दे आएको ह्य

#### अन्तराष्ट्रिय स्तरको पढाई

आवासिय बिश्व बिद्यालयको रूपमा ६८८ एकड क्षेत्रफलमा फैलिएको यस प्रतिष्ठानले मेडिकल शीक्षाका लागी अन्तराष्ट्रिय स्तरको शिक्षा प्रदान गरिरहेको छ । प्रतिष्ठानले संञ्चालन गरेको एम.बी.बी.एस. कक्षालाई नेपालसंगै श्रीलंका र भारतका मेडिकल काउन्सिलहरुले समेत मान्यता प्रदान गरेको छ ।

त्यसैगरी प्रतिष्ठान र अमेरिकाको मिनेसोटा बिश्वबिद्यालय र चीनको सिङस्याङ मेडिकल कलेज बिच शैक्षिक सम्बन्ध स्थापित भएको छ । यसबाट प्राध्यापक अनुसन्धानकर्ता तथा बिद्यार्थी बीच अनुभव आदान प्रदान समेत हुदै आएकाछन । गतवर्ष मात्र चीनमा पढिर हेका चार दर्जन नेपाली विद्यार्थीहरू नेपाली सम्दायमा आधारित स्वस्थ्य शिक्षा प्रणलीको अध्ययान गर्न दुई महिनाका लागी धरान आएका थिए । प्रतिष्ठानका उपकुलपति लोकबिक्रम थापा नेपालका दश वटा मेडिकल कलेजको त्लनामा प्रतिष्ठान अगाडी रहेको बताउछन । भन्छन-"मेडिकल काउन्सिलले डक्टरी प्राक्टिस गर्न दिने परिक्षामा हाम्रोबाट उत्पादित एउटा पनि बिद्यार्थी फेल भएको छैन । " डक्टरी शिक्षाका लागी सम्पूर्ण पुर्वाधार प्रतिष्ठानमा भएको र स्थापना कालदेखी नै एनाटोमी, फिजीलोजी, बायो केमेस्ट्री, फरेन्सीक, कम्य्निटी मेडिसीन जस ता बेसीक साईन्समा ध्यान दिईएकोले पठन पाठनको दृष्टिकोणले धरान अन्तराष्ट्रिय स

तरमा रहेको गौतम बताउछन । भन्छन-"मेडिकल, डेण्टल, नर्सिङ र एलाईड हेल्थ साईन्सेस चारै पद्धतीमा राम्रो पुर्वाधार विकास भएकोले स्तरिय शिक्षाका लागी प्रतिष्ठानले बलियो जग बसाएको छ।"

१८ जनवरी १८८३ मा संसदले एक विधेयक पारित गरेपछी विधिवत स्थापना भएको वीपी कोईराला स्वास्थ्य बिज्ञान प्रतिष्ठानलाई स्वास थ्य क्षेत्रमा दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्ने र ाष्ट्रिय केन्द्र र ट्रिकल रोग र सरुवा रोगको क्षेत्रमा विशेषज्ञता हाँसिल गर्ने लक्ष्य राखेको छ । यसका संस्थापकहरुले प्रतिष्ठानलाई अक्सफोर्ड र क्याम्ब्रिज जस्तो बिश्व बिद्यालय सहरको कल्पना गरेका छन । १८ अक्टोवर १८८४ मा ३५० शैयाको अस्पताल संगै एम.बी.बी.एस. कक्षाको संञ्चालन सुरु भएको थियो । एम.बी.बी.एस.को पहिलो सत्र सन् २००० मा पुरा भएपछी अहिले वर्षेनी डक्टर हरु उत्पादन हुन थालेका छुन । १८८६ मा बीएस्सी नर्सिङ र १८८८ मा बीडीएस सरु भएको थियो भने प्रविणता तह नर्सिङ र पोष्ट ग्राज्एट कार्यक्रम , आधारभ्त र क्लिनिकल बिज्ञान संगै शल्य चिकित्सा कक्ष र सम्बन्धित बिषयमा प्राविधिक शिक्षाका कार्यक्रमहरु समेत संञ्चालन भईरहेका छन । प्रतिष्ठान संग अहिल औषधी बिज्ञान संग सम्बन्धित दश हजार जित प्स्तक भएको पुस्तकालय र त्यसमा सय भन्दा बढी जर नलहरु छन । इण्टरनेट सुविधा संगै १८ होल भएको गल्फ कोर्स, फुटबल मैदान र २०३ एकड जंगल भु-भाग समेत रहेको छ।

प्रतिष्ठान र त्रिभुवन विश्वविद्यालयका बीच पिन आवश्यक जनशक्ती आदान प्रदान र संयुक्त कार्यक्रमहरु संञ्चालन गर्ने समभ्रदार र रहेको छ भने काठमाण्डौ विश्वविद्यालय र नेशनल एकेदेमी अफ मेडिकल साईन्सेस काठमाण्डौ संग समेत सेवा सुविधा आदान प्रदानका लागी सम्भौता अन्तिम चरणमा पुगेको प्रतिष्ठानले जनाएको छ । साथै प्रतिष्ठानको शैक्षिक कार्यक्रम विशव स्वास्थ्य संगठनद्धारा प्रकाशीत चिकित्साशास्त्र अध्ययान सम्बन्धि विश्व निर्देशिकामा समेत दर्ता भएको छ ।

डक्टरी पिंढरहेका विद्यार्थीहरूले कक्षामा पढ्ने मात्र हैन पुर्वाञ्चलका विभिन्न जिल्लाका गाउँमा समेत गएर जनतामा स्वस्थ्य सेवा प्रदान गर्नुपर्ने शिक्षण जिल्लाको अवधारणा राखेर मेडिकल शिक्षा प्रदान गर्ने नेपालको एक मात्र विश्व विद्यालय वीपी कोईराला स् वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान धरान नै भएको दावी प्रतिष्ठानका शैक्षिक विभागले गरेको छ। प्रमुख अक्षय गौतमले भने-"यहाँका विद्यार्थीहरूले ईण्टर्निशपको लागी एमबीबीएसकाले छ महिना प्रतिष्ठानको अस्पतालमा र छ महिना समुदायका अस्पतालमा गएर काम गर्नुपर्छ र एमडी, एमएस क्लिनिकल तर्फका विद्यार्थीहरूले तीन वर्षमा तीन महिना जिल्लामा गएर काम गर्नंपर्छ ।"

पठन पाठनका लागी मेडिकल कलेज मात्र भएर नहुने भएकाले प्रतिष्ठानले पुर्वाञ्चलका १६ जिल्लालाई शिक्षण जिल्लाको अवधारण अनुसार समावेश गर्ने योजना अनुसार हाल ७ जिल्लालाई शिक्षण जिल्लाको रुपमा समावेश गरिसकेकोछ । सुरुमा सुनसरी, धनकुटा र मोरङबाट स्र भएको यो अवधारणा अन्तर्गत अहिले ईलाम, भापा, सप्तरी र सिराहामा समेत प्रतिष्ठानमा डक्टरी पढने बिद्यार्थीहरु प्ग्ने गरेका छन। प्रतिष्ठानबाट अन्तराष्ट्रिय स्तरको शिक्षँ प्रदान गरिने र उत्पादित दक्ष जनशक्तिको उपयोग प्रतिष्ठान र देशकै लागी भईरहेको साथै पढाई प्रा गर्नासाथ त्रुन्तै काम पाईरहेको उपक्लपति डा. लोकबिक्रम थापा बताउछन । भन्छन-"यहा पढेका धेरै डक्टर प्रतिष्ठान मै खपत भईरहेका छुन र स्वास्थ्य मन्त्रालय अन्तर्गत दुर्गम क्षेत्रहरुमा समेत गएर स्वास्थ्य सेवा प्ऱ्याई रहेका छन ।" थापा प्रतिष्ठानबाट डक्टरी पढेर बेलायत, अमेरिकामा समेत बिद्यार्थीहरु काम गर्न प्गेको बताउछन।

प्रतिष्ठानमा स्वास्थ्य सेवा व्यवस्थापनका लागि चाहिने दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्ने र समाजको तल्लो तह सम्मका जनताहरुलाई गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान होस भन्ने हेत्ले स वास्थ्य सेवा प्रदायक संस्थाहरु र जनताहरु वीच समन्वय गर्ने कार्यमा ती जनशक्तिहरु परिचालित हुने नेपालकै पहिला स्कूल अफ पब्लिक हेल्थ गत साता देखी सूरु गरेको छ । प्रतिष्ठानले एम.पि.एच. कार्यक्रमका लागि हाल १० जना विद्यार्थीहरुलाई भर्ना समेत गरिसकेको छ। जसमा विभिन्न संकायमा स नातक/स्नातकोत्तर उतीर्ण गरी स्वास्थ्य क्षेत्रको कार्यान्भव समेत हासिल गरेका अन्भवी विद्यार्थीहरु रहेका छन । भारत सरकारको सहयोगमा स्थापित देशकै ठुलो स्वास्थ्य केन्द्र तथा बिश्वबिद्यालयको रूपमा रहेको वीपी कोईराला स्वास्थ्य बिज्ञान प्रतिष्ठान श्री ५ को सरकारकै अन्दानमा संञ्चालन भईरहेको छ । सरकारको ५० प्रतिशत वार्षिक अनुदानमा संञ्चालन भईरहेको प्रतिष्ठानको वार्षिक खर्च मात्र ५० करोड रहेको छ।

प्रतिष्ठानका कार्यक्रम समुदायमा आधारि त भएकाले पिन आर्थिक फाईदाका लागी शैक्षिक शुल्क र अस्पताल सेवा शुल्क बृद्धि गर्न नसक्ने उपकुलपित डा. लोकिकम थापा बताउछन। भन्छन-"सरकारले जनतामा पुऱ्याउन पर्ने स्वास्थ्य सेवाको काम प्रतिष्ठानले गरिरहेकोले यो पुर्ण रुपमा श्री ५को सरकार प्रति नै निर्भर छ। शिक्षण जिल्लाको अवधार णा अनुसार प्रतिष्ठानका डक्टर बिद्यंथीहरु पुर्वाञ्चलका जिल्ला अस्पताल र गाउँ घर सम्म स्वस्थ्य सेवा पुऱ्याउन तिल्लनछन।"

## Sakela, the Ancient Holy Land of Kinraat Rai Durga rai

In the history of Nepal, the Lichchhabi regime, was known as the era of economic prosperity whereas the Kinraat Rai dynasties (the oldest known dynasty in the history of Nepal, 11th century to the 16th century) was known as the era of cultural civilization, spiritual consciousness as well as economic development. From the ancient period Kinraat traditionally worshiped the Paruhang (the lord Shiva) and Sunnima (goddess Parbati) as their foremost ancestor celebrating Sakewa half yearly as an important spiritual event to mark the occasion for remembering the holy souls of their ancestors. Kinraat, the nature worshipers, worship Paruhang and Sunnima and also worship the nature, the earth, the soil twice a year with the traditional dance (Sakewa or Chandi Naach) playing traditional musical instruments (dhol and jhyamta) in a rhythmic way to seek blessing from Paruhang and Sunnima and seeking blessings from past and immediate past ancestors for the good health, for the economic prosperity and for the growth and development of coming offspring. Thus celebrating such a unique event is traditionally called as Sakewa festival or Chandi Naach among Kinraat Rai community.

As a matter of fact, the mountainous land Nepal has long been known as an agricultural country, and even at the present context, more than 90% Nepalese live on agriculture. Thus no one can deny that the agriculture and human civilization came together into existent as far as the socio-cultural and socio-economic history of Nepal is concerned. Subsequently agriculture had been adopted as an important occupation traditionally and considered as the base of life from the ancient time what was also reflected in the kinraat cultures and festivals. They worshiped the nature, as well as god and goddess Paruhang and Sunnima during the festivals seeking blessings and good agricultural products which are essential for continuation of life in the earth. Kinraat celebrated twice a year unbhaulee ( going uphills) and undhoulee (going downhills) every six months by playing dhols and jhyamtas and dancing in line with rhythmic actions. As they enthusiastically dance with full of zest, expressing their heart felt gratitude to the nature and to the gods and goddesses with varieties of artistic expressions and actions of limbs and gestures in the sakewa dance. The unique gestures and dance actions are traditionally called as "sakewa shilli". Sakewa shilli action and notation expresses human activities routinely performed in agriculture; like spinning treads and weaving clothes and sowing seeds, harvesting crops. Some shilli

of sakewa dance even mimic different acts of animals and birds living in the natural environment close to human beings. Literally sakewa dance means showing enormous respect to the soul of ancestors for giving the grace to their offspring, which basically are similar to all kinraat Rai communities besides some minor adaptations.

#### Unbhaulee:

As the winter wanes Ubhaulee starts from the month of Phagun to the last of Shrawan (March-August), seasons changes to become warm, and as the beautiful creation of the nature like plants, shrubs, bushes start shining showing their first buds in spring and the flowers blossom extending to the whole landscapes of the northern soil, then the snow swans (karang kurung), are noticed flying in the sky returning back to their habitat, even the rivers are not too cold for fishes, and are seen moving up hills to northern side giving the hints of the seasona changes "unbhaulee". Since the season mature more and become favorable for agriculture, in the same period, we Kinraat celebrate the unbhaulee with a group dance "Chandi naanch" as the tradition, to mark as a holy period of cultural festival in order to show very high respect to the holy souls of the ancestors who had been blended together to the nature and to the earth.

#### Undhaulee:

As the winter starts undhaulee starts from the month of Bhadra to the last of Magh (September-February). Unbhaulee gave us very beautiful gifts, huge amount of agricultural crops, during Mangsir (October/November). Now again snow swan take a long fly in the sky with an adventurous journey to warmer places to the south to be protected from extreme cold; so does the river fish in rivers during that time giving us the hints of seasonal changes. During this season, kiraat Rai celebrate Undhaulee to invite the holy souls to share the happiness and to express the their gratitude for gracing their offspring, where before sharing the first crops among ourselves, first we would like to serve it to the soul of our ancestors during the Mangsir Purnima. Uundhaulee festival also shows a gesture of very high respect, spiritual obligation and is followed as the tradition and maintained as cultural bond among Kinraat Rai community in Nepal as well as in abroad.

Durga Rai is president of Nepal Kinraat Society of America

## तिहारको सांस्कृतिक मूल्य र पूजाको तौरतिरका एवं विधिहरु कुस्म पौडेल

नेपाली मात्रको दोस्रो ठूलो चाड तिहारको उल्टो गणनाक्रम श्रु भइसकेको बेला फेरि एकपटक हरेक नेपालीको मनमा तिहार को भिलिमिलि , देउसी र भैलीको याद ताजा भएर आएको छ। हरेक वर्ष कार्तिक कृष्ण त्रयोदशीका दिनदेखि कार्तिक शुक्ल द्वितीयासम्म पाँचिदन मनाइने उज्यालोको यस चाडलाई श्भ दीपावली भन्ने पनि चलन छ । पौराणिक मान्यता अनुसार पाँच दिनको यस चाडलाई यमपञ्चक भनिन्छ । यसवर्ष तिहार नेपाली पात्रोअनुसार कार्तिक १३ गते (अक्टोबर ३०) शुरु भई कार्तिक १७ गते (नोभेम्वर ४) मा सिकन्छ । नेपालीहरु चाहे स्वदेशमा रहुन् या विदशेमा यस चाडको प्रतीक्षा सबैतिर उत्तिकै रहन्छ। चेली-माइतीको सम्बन्धलाई प्रगाढ बनाउने यो चाडको महत्व धनधान्यकी देवी लक्ष्मीको पूजा र देउसी भैलोजस्ता सांस्कृतिक परम्पराहरुसँग पनि जोडिने भएकाले यस चाडको सांस्कृतिक महत्व समेत रहेको छ। सांस्कृतिक दृष्टिकोणले त तिहार नेपालीहरुको विशिष्ठ चाड नै हो । कार्तिक कृष्ण त्रयोदशीका दिनदेखि कार्तिक शुक्ल द्वितीयासम्मका पाँचदिनलाई यमपञ्चक भनिन्छ । र, यही यमपञ्चकलाई नै सामान्य वोलचालको भाषामा तिहार भन्ने चलन छ । तिहार यमराज (दाजु) र यमुना (वहिनी) को चाड हो। यम र यमुनालाई ऋमशः दाजुभाइ र दिदीवहिनीको प्रतीकका रुपमा लिएर यस चाडलाई चेली-माइतीको पवित्र चाडका रुपमा लिने प्रचलन नेपाली समाजमा विद्यमान छ ।

२०६२ को तिहार कुन दिन के पर्छ ?

कार्तिक १३ कागतिहार

कार्तिक १४ कुकुर तिहार

कार्तिक १५ गाईतिहार (लक्ष्मीपूजा)

कार्तिक १६ गोरुतिहार (गोवर्द्धनपूजा)

कार्तिक १७ भाइटीका

यमपञ्चकका ५ दिन कुन दिन के गरिन्छ

यमपञ्चकको पहिलो दिन कार्तिक कृष्ण त्रयोदशीको दिनलाई सामान्य वोलचालको भाषामा कागतिहार भिनन्छ। यस दिन यमको दूतका रुपमा कागलाई दाल, भात र तर कारीको बलि दिएर विहानै शुभ बोल भन्दै पूजा गर्ने चलन छ। यमराज र यमुनाका बीचमा सन्देश आदान-प्रदान गर्ने दूतको रुपमा कागले पुऱ्याएको योगदानको कदरस् वरुप यमपञ्चकको पहिलो दिन कागको पूजा गरिएको विश्वास गरिन्छ।

#### कुकुरतिहार :

यमपञ्चकको दोस्रो दिन अर्थात् कार्तिक कृष्ण चतुर्दशीको दिनलाई सामान्य वोलचालको भाषामा कुकुर तिहार भनिन्छ । यस दिन विहानै तेल घसेर स्नान गरी चिसै कपडाले चारवटा बत्ती सल्काई टाउकोमाथि विरपिर घुमाएर नरकलाई सम्भदै खोलामा बगाई दिने गरिन्छ। त्यसपछि यमराजको द्वारपालेका रुपमा कुकुरलाई सम्मानपूर्वक पूजा गरेर माला लगाइदिने र मीठा मीठा परिकारहरु खान दिने चलन छ। कुकुरलाई स्वामिभक्तका रुपमा पूजा गर्ने नयाँ दृष्टिकोण पनि अहिले चल्तीमा आएको छ।

#### गाईतिहार (लक्ष्मीपूजा)

यमपञ्चकको तेस्रो दिन अर्थात् कार्तिक कृष्ण औसीको दिनलाई सामान्य वोलचालको भाषामा गाईतिहारे औसी भन्ने गरिन्छ। यस दिन विहान लक्ष्मीको बाहनका रुपमा गाईलाई लक्ष्मी मानेर पूजाआजा गरी माला लगाई दिने र मीठो मीठो खानेकुरा खान दिइन्छ भने साँभ घरगोठमा धनधान्यकी देवी लक्ष्मीको आगमनको कामना गर्दे दीपावली गर्ने गरिन्छ । लक्ष्मीलाई चोखा मात्र मनपर्ने विश्वासका साथ पूजा गर्ने ठाउँमा ध्वजा, तोरण, मण्डप आदि बनाइन्छ र ढोका/गेटदेखि नै लक्ष्मीको पाइला बनाउने चलन छ। यस दिन जनैपूर्णे (रक्षावन्धन) को दिन हातमा बाँधेको डोरी गाईको सिंङ र पुच्छरमा बाँधी दिने चलन पनि छ। यसो गर्नाले बैतरणी नदी पार गरेर स्वर्गबास हुने जनविश्वास रहेको छ।

#### गोरुतिहार(गोवर्द्धनपूजा)

यमपञ्चकको चौथो दिन अर्थात् कार्तिक शुक्ल परेवाको दिनलाई सामान्य वोलचालको भाषामा गोरुतिहार भन्ने गरिन्छ । यस दिन विहान गोवरको पहाड बनाई धनधान्यको कामनासहित गोवर्द्धनपूजा गर्ने चलन छ । यही दिन विहान गौरुको पूजाआजा गरी माला लगाई मीठो मीठो खानेकुरा दिने गरिन्छ । नेवारी समुदायमा साँभ आफ्नै शरीरको पूजा (म्हपूजा ) गर्ने चलन पनि छ ।

#### भादतिहार

यमपञ्चकको पाँचौ दिन अर्थात् कार्तिक शुक्ल द्वितीयाको दिनलाई सामान्य वोलचालको भाषामा भाइतिहार भन्ने चलन छ। यस दिन दिदी वहिनीले दाजुभाईको दीर्घायुको कामना गर्दै पूजा गर्ने र मीठा मीठा परिकार खुवाउने गरिन्छ भने दाजुभाई पनि टीका लगाई दिएर आफ्ना दिदीवहिनीहरुलाई गच्छेअनुसारको उपहार दिने चलन छ।

#### लक्ष्मीपूजा कसरी गर्ने?

धनधान्यकी देवी लक्ष्मीको पूजा गर्ने भएकाले यमपञ्चकको तेस्रो दिनलाई लक्ष्मीपूजा भन्ने पनि चलन छ । उज्यालो घरमा मात्र लक्ष्मी आउने विश्वासका साथ साँभ दीपावली गरेर लक्ष्मीपूजा गरिने भएकाले सिंगै तिहारलाई श्भ दीपावली चाडका रुपमा लिने पनि

प्रचलन शुरु भएको छ। लक्ष्मीपूजाका लागि घरगोठ, आँगन, कोठाचोठा सबै सफासुग्घर गरिन्छ । मूलढोकादेखि नै लक्ष्मीको पाइला बनाएर लक्ष्मीको पूजा गर्ने कोठा र तुलसीको मोठसम्म पुऱ्याइन्छ । सामान्यतः चामलको पीठो शुद्ध हुने भएकाले लक्ष्मीको पाइला पनि चामलकै पीठोबाट बनाउने गरिन्छ। लक्ष्मीको पूजा गर्न नयाँ लक्ष्मीको फोटो या मूर्ति ल्याउने पनि चलन छ। पूजाकोठामा ध्वजा, तोरण र मण्डपसहितको शय्या बनाइन्छ भने ढोकामा शुभलाभ, लक्ष्मी र गणेशको फोटो राख्ने चलन छ। घरको भ्याल-ढोका आदिमा माला लगाएर सिंगारिन्छ। पूजाकोठामा कलशमाथि तामा वा काँचको थाली राखेर थालीमाथि अष्टदल(रेखी) बनाउनुपर्छ । लक्ष्मी कमलमाथि बस्ने भएकाले कमलको फूलको आसन बनाउनुपर्छ । त्यसमाथि आ-आफ्नो गच्छअनुसारको लक्ष्मीको प्रतिमा राखिन्छ । लक्ष्मीपूजाको आरम्भमा जौ, तिल, अक्षता, चन्दन, फूललगायतका पूजासामग्रीले दीयो, कलश र गणेशको पूजा गरिन्छ त्यसपछि मात्र लक्ष्मीको शीरदेखि पाउसम्म पूजा गरिन्छ । लक्ष्मीको पूजा गर्नु पहिले नुहाई-धुहाई गरेर सोइ-सिगार गर्नुपर्छ । रातो पहिरन पूजाका लागि उपयुक्त मानिन्छ। पूजा गर्दा लक्ष्मीलाई सबैभन्दा मनपर्ने लक्ष्मी-लड्डु चढाउनुपर्छ। लक्ष्मी-लड्डु जाइफल, कपूर, मुगको पीठो, बदाम र मिश्रीलाई दूधमा मिसाएर बनाइन्छ । त्यसैगरी लक्ष्मीलाई मनपर्ने खीर, सरि फा, सेलरोटी, अनारसा, भोगटे चढाउने, १६ वटा बत्तीमा सोह्रसूते बत्ती बाल्ने, सौभाग्यका सामान चढाउने र १०८ सुते बत्तीबाल्ने गरिन्छ । लक्ष्मीपूजा गरपछि पैसा, गरगहना अनाज राख्ने सेफ, दराज, आल्मारी, ढुकुटी आदिको ढोका खुल्लै राख्ने र पूजा गर्ने पनि चलन छ। लक्ष्मीपूजा गर्दा चढाएको सागम्री चारदिनसम्म जस्ताको तस्तै राख्नु उत्तम मानिन्छ।

#### भाइपूजा कसरी गर्ने ?

अर्थात् भाइटीकाका भाइपूजा लागि अघिल्लोदिन नै दिदीवहिनीले नरीवल, सुपारी, पानलगायतका चिजहरु राखेर टीका लगाउन निम्ता पठाउनुपर्छ । पहिला पहिला दशैमा माइत जाँदा नै माइतीलाई टीकाको निम्ता दिने चलन भए पनि हिजोआज भने एकदिन अगाडि निम्ता दिइन्छ । सामान्यत: विवाहित भएर चेलीकै घरमा माइती आएर टीका लगाउने चलन छ। भाइटीकाका दिन चेलीले आफना माइतीको दीर्घायुको कामना गर्दै पहिला अष्ट चिरञ्जीवीको पूजा गरेर भाइटीकाको पूजा आरम्भ गर्छन्। अष्ट चिरञ्जीवीको पूजापछि क्रमशः दियो, कलश, गणेश र ओखरको पुजा गरिन्छ। पुजा गरिएको ओखर ढोकामा लगेर फ्टाएपछि शत्रुभित्र छिर्दैनन् भन्ने

विश्वास गरिन्छ त्यसपछि विमिरोको पूजा गरिन्छ । त्यसपछि पानी र तेलले पालैपालो सात घेरा हाली माइतीलाई छेकिन्छ। फूल, अक्षता, चन्दनले पूजा गरेर माइतीको शिर मा तेल हाली दिनुपर्छ। निधारमा सप्तरंगी टीका लगाई दिएर कहिलै नओइलिने मखमली फूलको माला लगाई दिनुपर्छ, सगुनका रुपमा दही खुवाई टोपी या यस्तै केही उपहार दिने अनि माइतीलाई मनपर्ने खानेकुरा दिनुपर्छ । त्यसपछि माइतीले पनि चेलीलाई सप्तरंगी टीका लगाई दिएर गच्छेअनुसारको दक्षिणा / उपहार दिन्छन् । सयपत्री, दूवो या यस्तै अन्य कुनै फुलको माला लगाइदिने चलन पनि छ । त्यसमा पनि सयपत्रिको माला भने सतायुको कामना गर्दै लगाइएको विश्वास गरिन्छ।

तिहारको शूरुवात कसरी भयो

तिहारको प्रचलनसँग जोडिएको पौराणिक कुर ा पनि अव हाम्रो लागि एक किसिमको सांस् कृतिक मान्यताकै रुपमा स्थापित भइसकेको छ । पौराणिक कहावत अनुसार मृत्युका र ाजा यमराज यमलोकमा बस्छन् भने उनकी वहिनी यमुना मर्त्यलोकमा। यी दाजुवहिनीको कहिल्यै भेट नहुने भएपछि एकपटक यमुनाले यमरालाई मर्त्यलोकमा आमन्त्रण गर्छिन् । यमलोकको राजा मर्त्यलोकमा सजिलै आउन निमल्ने भएकाले उनी आफ्नी चेलीको वचन राख्न लुकेरै भएपनि मर्त्यलोकमा आउँछन् । त्यहीबेला पाँचदिनसम्म यमुनाले आफ्ना दाजु र उनीसँग सम्वन्धित काफ कुकुर लगायतको पूजा गरी मिष्ठान भोजन गर ाउँछिन् । यमुनाले आफ्ना दाजुसँग उपहारका रुपमा माग्छिन्- जसले यमपञ्चकलाई मान्छ, उसको मृत्युपछि नर्कवास नहोस्।

यसको शुरुवात्सँगै जोडिएको अर्को कहावत् यस्तो छ,- यमराजले पृथ्वीबाट मानिस ल्याउनका लागि दाजु-वहिनी मात्र भएको घरमा आफ्ना दूतहरुलाई पठाए । दूतहरुले दाजुलाई लैजान भनेपछि बहिनीले कसैगर्दा पनि मानिनन्, उनले दाजु लगेपछि आफू एक्लो हुने दुखेसो पाखिन्। तर, यमराजको आदेशको अगांडि उनको केही लागेन्। तर उनले पनि अड्को थापेर दाजुको पूजा गरेपछि मात्र पठाउने भनिन्। त्यसपछि उनले पूजा गर्दा तेलको रेखी हालिन, मखमली फलको माला लगाई दिइन्, विमिरो र ओखरको पूजा गरिन्। दूतहरुले लैजाने भनेपछि तेलको रेखी सुकेपछि,, मखमली माला ओइलिएपछि, ओखर विग्रिएपछि र विमिरो आइलिएपछि मात्र लैजान मिल्ने भनी अत्तो थापिन् जसले गर्दा सयौं वर्षसम्म पनि उनीहरुले दाजु लैजान

## Gagan Thapa: Speaking Out

During the last three years, Gagan Thapa, now 29, has quickly earned a large following of supporters for his political stand (a republic- democratic Nepal with no role for the Monarchy in Nepal) and his charismatic ability to be an articulate leader. But the student of Sociology and Political Science has been seen as a threat not only by the King and his government, but even by members of the political party to which he belongs.



Gagan in Baghbazaar (Kathmandu) in 2004

On a cold afternoon in New York, a small crowd of Nepalis and Americans, both young and old alike, gathered at a hall in Columbia University's 634W building. After a brief introduction in English, Gagan Thapa, standing alone in front of a white wall with curious faces looking on, began to flow in Nepali, almost always directly looking into his audience and never into the three sheets of paper and notebook on a table behind which he stood. He articulated each argument perfectly, and every now and then he drove the audience to a spontaneous applause as Americans fluent in Nepali smiled and quickly discussed what he had just said and the Nepalis shook their head in agreement while some of them continued to take photos and make notes. New York was the Gagan Thapa's last stop on his month long US tour initiated by the State Department's international exchange program on 20 September, from Washington DC.

In Spring 2004, Nepal Student Union, conceived by the Congress party, celebrated it's 35th anniversary. During the wet afternoon function marking the event at Ratna Rajya campus in Bagbazaar, then NSU General Secretary Gagan Thapa said, "The history we were taught was the history written by those who are in power. It is time we hold a rock in one hand, and a pen in the other, and fight to re-write history, to make history." The crowd spontaneously burst into an applause as party president Girija Prasad, who was sitting behind the podium on a temporary stage with leaky tent for a ceiling, occasionally glanced at the dark skies above before shifting his eyes to those gathered in front of them. While another member of the NSU stood on the podium and began speaking, the skies broke up and those gathered at the venue began to run for dry shelter. "If you can't even take a little bit of rain, how do you plan to take on a revolution?" the party president, quickly grabbing microphone, the questioned the audience. Sureenough, embarrassed the crowd applauded and returned to the soggy grounds where they had been sitting. No two people who took the podium that day

commanded more respect than Gagan Thapa and Congress party's president Girija Prasad Koirala.

It is no surprise Gagan Thapa has emerged as one of the key student activists in Nepal today. He is one of the most out- spoken members of the Congress party who not only questions the role of the Monarchy in Nepal but also the leadership of his party itself. But not without consequences. He has been arrested several times in the last two years and is currently on trial, facing charges of sedition for having spoken against the King. In summer 2004, soon after NSU's 35th anniversary, party president Girija relieved Gagan Thapa and two other high ranking elected leaders of NSU without any publicly justified cause. He then filled up the positions by nomination. In August this

year, he contested for NSU's presidency while in prison, and won a vast majority of support from students. But opposing candidates instigated trouble at a NSU convention in Pokhara, which ended up as one of the most violent NSU events ever. Soon after, Girija accused him of being a "palace agent." He later denied of making those accusations after Gagan Thapa publicly challenged the party president for proof to his claims. "The Koirala family is a political dynasty in Nepal, and so a lot of the people within the party always support them, almost out of a subconscious fear that going against them would have repercussions," he explained at an Indian fast food cafe in Bleecker Street, day before leaving for the UK after which he would travel back to Nepal. "And in the party, even if you are speaking against one of the Koiralas, you have to be on the good books of another Koirala to make sure there are no repercussions." There are already rumours that the Congress party is trying to setup new comissions



Gagan during his recent visit to New York

and assign pwer to other younger activists in the party while Gagan Thapa was on tour in the US.

One of the biggest challenges for Gagan Thapa, and NSU, is that people now immediately associate them as mouth pieces for old corrupt leaders like Girija. But often people don't realise that student activists are now challending their party leaders. "When leaders of the Congress and Communist parties were meeting with the King to negotiate last year, it was the student unions on the streets protestinng against the compromise being made with the King," Gagan said. "People don't understand that we have more questions for our party leaders than they can imagine."

Many people have questioned why Gagan Thapa continues to be under

the umbrella of the Congress party despite everything. "Its like a bus," he explains. "We know the driver is bad and he will cause an accident. But only a few passengers in the bus want to replace the driver. What I am trying to say is, don't just stand outside, step into the bus and replace the people who believe in this bad driver, and then change the driver." Plus, for now, the student activist isn't established enough to independently challenge the existing parties like Congress.

NSU and other student unions have, however, already pressured their respective parties to make a lot of changes in party policies. One such major change for the the Congress party was their firm stand on protecting the constitutional monarchy. "When you become a member of the Congress party, one of the oaths you take is that you will support a constitutional monarch," Gagan said. "But in the last two years, because of the pressure put by NSU, the party no longer supports

that clause." The argument for not compromising with the Monarchy is based on the fact that repeatedly the Monarchy has compromised with the people when they feel insecure, only to become stronger and turn on them.

When Gagan Thapa reaches Kathmandu, his first priorities will be to help with the major 7-party protest rally being organised after Tihar, while fighting charges of sedition. Then, the next big challenge for Gagan Thapa and his supporters is to generate a sense of pro-activeness amongst

the high school to college student age bracket. "It is important for this age group to become active," he said. "but figuring out how to make that happen has been very challenging."

Listening to Gagan Thapa speak is a refreshing change from the bhashans of aging power hungry politicians. There is truth to his arguments against the system and the Monarchy, passionate conviction in his delivery and a sense of genuine ambition to make the changes his allies and he are fighting for. But are there enough Nepalis willing to join this fight in one way or the other?

Listen to Gagan Thapa's entire presentation at Columbia University, New York at http://www.samudaya.org/gagan/

10 | Nepali Aawaz October 26-November 8 2005

## Project Peace 05: Big Beats On Kathmandu's Streets!

While the country gets ready to celebrate the annual festival of Tihar, thousands of urban youngsters across Kathmandu are gearing up for "Project Peace", the annual street dance party organised by PartyNepal, which will be held just a day before Tihar this year.



It has only been two years since its three founders Robin Sitaula, Mandil Pradhan and Bhushan Shrestha got together to start it, but already PartyNepal events have become a "must" for Kathmandu's party crowd and it's website PartyNepal. com, filled with endless pages of party photos, a staple diet of web surfing for young Nepalis the world over. Of all the events that PartyNepal has organised, their grandest success has to be without doubt "Project: Peace." Nepali Aawaz caught up with Robin Sitaula to talk about the event and secrets in the making.

NepA: For 2 years, there's been about a steady 8-10,000 people in the audience with thousands more passing through it during the day. What are the expectations in turn out this year?

Robin: We are expecting more crowd to be larger this year. The hype has grown since it's an annual event, plus the vibe during the festival is always good; people being able to freely dance under the open skies. It's also great because it draws people form different walks of life into the same street for the same reason. This year its should be even more fun because its exactly a day before Tihar.

**NepA:** Who are the DJs to look out for at this year's festival?

Robin: Salil is opening the event with a live solo performance on Didgerdoo, which should be interesting. Mukul [from London] is definitely to watch out for. Then there are some of the returning DJs from last year.

NepA: What's going to be different at this year's event from the last 2?

Robin: The music. Guest DJ Mukul, who is flying in for the event from London, has a broad palette of beats. He draws on sounds from North and West Africa, the Middle East, and East Asia, jazz and hip hop, Chicago house and Detroit techno, just all over the place.

NepA: Is the consumption of illicit drugs and alcohol something that the organisers are worried about?

Robin: Luckily we've had no problem with people stirring up trouble because of drugs or alcohol. So we expect the same this year too. This is a "peace" festival, so we urge the people to join us all as we express our will for a peaceful life on Earth through music.

NepA: Whats the next major event in the works for this year, after the Peace Project?

Robin: There's a couple of them, even outside Kathmandu. After last yeat's allnight success, we are definitely putting together the second "Tranceport," sometime towards the end of November. It will be strictly trance music from 8PM to 6AM. Then we're also taking PartyNepal on the road to Dharan and Pokhara, do some parties there.

NepA: What about the new year's celebrations?

Robin: Oh, we're planning something grand for that. It's a secret.

#### This year's setup for Project Peace:

#### Zone 1 Tridevi Marg, Thamel

Music: R&B, Hip-Hop, Pop, Funk and Remixes

DJ B.Man: 2pm till 3pm DJ SickFreak vs Drex: 3pm till 4pm

DJital: 4pm till 5pm

DJ Mukul (London): 5pm till 7pm DJ Ankit: 7pm till 9pm

#### **Zone 2 Narshima Chowk, Thamel:** Music: House, Drum&Bass, Asian

Massive, Psy-Trance

Salil live on Didgeridoo: 2pm till 3pm DJ Karombala (Israel): 3pm till 4.30pm

DJ Bhatte: 4.30pm till 5.30pm

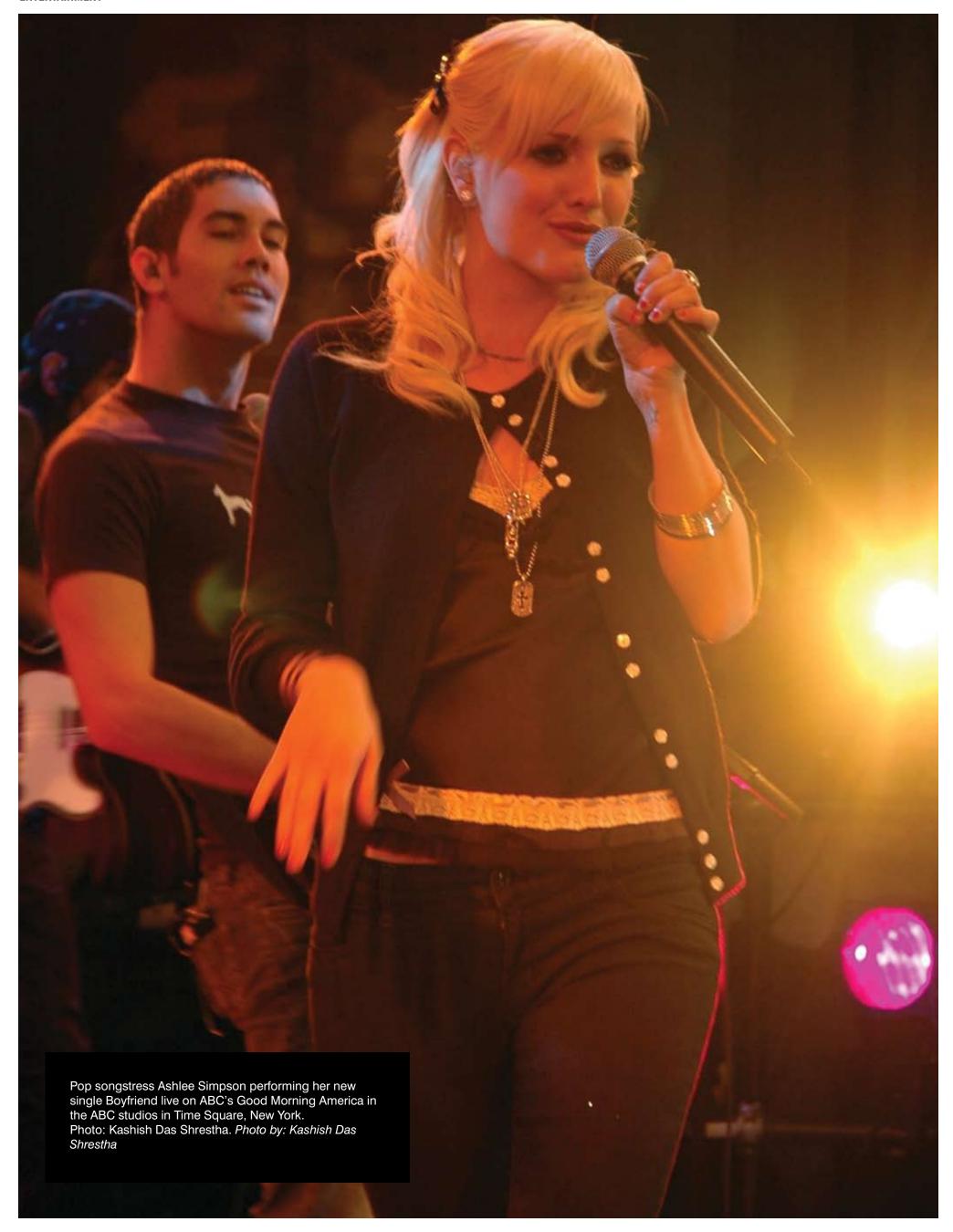
DJ Mahesh: 5.30pm till 6.30pm

DJ Zion: 6.30pm till 7.30pm

DJ Nissan: 7.30pm till 9pm



NEPALI AAWAZ | 11 OCTOBER 26-NOVEMBER 8 2005



12 | NEPALI AAWAZ

## Women In Concert: A Rockin' Good Time

Nepal's Annual Women's Concert hosts its third show and helps out aspiring singers and Leprosy patients along the way. SAHARA SHRESTHA

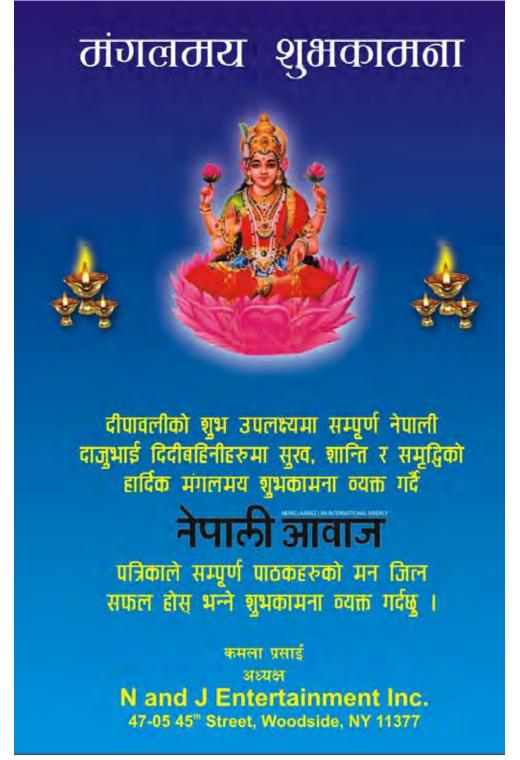


MOMEN

For three years in a row, Women In Concert, Nepal's only all female concert, has been rocking Kathmandu. This year, Women in Concert Part III was held on October 23rd at the Shambala Garden in Shangri-La. The show kicked off at 8 PM with a group performance of Free Your Mind, originally by En Vouge. Young aspiring singers such as Akansha Lama, who is now 14 and has been playing the piano since age 4, to established pop singers like Preeti Kaur were among the ten singers at this year's event. Akansha is in fact working on her debut bilingual (Nepali and English) album, which should be coming out soon. The girl maybe small, but her voice isn't. The audience was enthralled by her performance as a singer and a musician. Another young talent that surprised the audience was the 17year-old Arpana Rayamajhi who rocked her way through with a strong stage

Left: Preeti Kaur; Bottom: Vidhea Shrestha presnce and an equally strong covers of Hard To Handle (Black Crowes) and You Oughtta Know (Alanis Morissette). Pooja Gurung, a producer and host at IMAGE Television, and Rachana Gurung Sharma, choreographer for Hidden Treasures Miss Nepal, both made their sophomore appearance on the Women In Concert stage. Other new comers in the series included Annie Gardiner Vaidya, Sheri Thapa and Yankey. The band for this year's show was Cloud Walkers. The credit for developing and co-ordinating the event goes to Vidhea Shrestha and Sapna Thapa, both of whom are also teachers. The two ladies also performed a few funky covers at the show.

Not only did all the performers put up an excellent show, they also helped out a charity cause. Money raised from ticket sales were given to the Sewa Kendra Leprosy Relief, and NGO that provides free medical care to those suffering from leprosy.





14 | NEPALI AAWAZ

## Atomic Bush: An Explosive Force in the Making

A group of talented young musicians get together to form a progressive rock band and win a rock contest along the way. PREENA SHRESTHA

Atomic Bush's journey has only begun, but what a start they've had; the Rock Heads '05 title under their belt and the cash prize of Rs 50,000 (Approx. \$714) in their pockets. A band made up of old friends, who have been playing with their own bands for several years now, Atomic Bush was formed only six months prior to the contest. Even though all the members were young but experienced musicians, it was the first time they'd experimented with progressive rock

the Rubber Mechanism and more recently, Karmavalanche, a progressive rock band. Technical, versatile and calm, Bibhushan's playing reflects his ideologies about music. While Rajan belonged to Elysium, now that it has entered hiatus, he is focusing more on his work as a recording engineer at Vinapa studio and his jamming sessions with the jazz group Cadenza. Guitar virtuoso Sunny also played with Elysium in the past. Alec, on the other hand, is

and Trilok Gurtu among their many influences, the band believes in spontaneity and passion. Their compositions are jam-based rather than having been conceptualized beforehand. While most are instrumentals, the boys are also working on compositions with lyrics. Their song, Ma Saano Prakash Pyudai Chhu, was very well-received at Rock Heads, and the boys admit this connection with the audience is an encouragement. "People here are

rock was believed to have reached the peak of its popularity in the 1970s, with acts such as Pink Floyd, King Crimson, Jethro Tull and Genesis defining the genre. But even these bands were not alike in their musical output.

"For me, its about defying technicality," explains Bibhushan. "I can't speak for everyone, but I think progressive rock is more about complexity than virtuosity." On a surface glance, this genre appears to consist of odd time signatures and scales, a wide variety of instruments, complicated solos and unusual vocal styles. But musicians will tell you how technicality becomes second priority as opposed to the frame of mind and vision that is necessary. It is precisely this challenge of being imaginative and expressive that the boys of Atomic Bush appear to have embraced.











scene in Nepal. "They need to be exposed to some quality music so that they can learn to be selective."

subjected to crap," Bibhushan says,

referring to the commercial pop music

Speaking about the Rock Heads experience, the boys were impressed with the competing bands. "Vhumi and Fallen were really good," Bibhushan says. "Being neck to neck with Cruentus was also pretty exciting." Cruentus, the metal band, has won severl local band contests in the past. Atomic Bush claims their win was totally unexpected, but most people would disagree- they clearly deserved it. While a percentage of the cash prize was donated to KtmRocks magazine, the boys plan on spending the rest on equipment. What next? "We'll be recording an album shortly," promises Bibhushan. "But for now, we have a couple of gigs coming up, so we're going to be concentrating on that."

together, and needless to say, they've tackled it well.

#### The Band

Bibhushan Basnet (vocals, lead guitar) Rajan Shrestha (bass, back vocals) Alec Sciamma (drums) Sunny Tuladhar (lead guitar) Abhishek Bhadra (keys)

Bibhushan's involvement with death metal projects Unholy Menace and Breeding Pestilence was how he first got started in the scene. He then went on to form Apple Spaghetti and a well known figure in the music circuitan impressive guitarist and drummer,
he has played with many bands such
as Ozzobozo, and Window Groove.
And Abhishek, a regular whiz on both
keys and guitar, was also previously
involved with Unholy Menace, Breeding
Pestilance, ASRM, and Karmavalanche.
"The concept of Atomic Bush as a band
came about during the Rock Fever gig
at Bhu-pu," remembers Bibhushan.
"That was when we decided to take on
this 'experiment' seriously."

Listing Planet X, Dream Theater, Liquid Tension Experiment, King Crimson

#### The Music

Progressive rock began in England in the 1960s. Drawing influences from classical music and jazz fusion, this is a genre fairly unexplored in Nepal. "Its difficult to define it in a conclusive way," says Bibhushan. "There is probably no single element that can be considered to be 'progressive rock'. Common features, yeah, but not universal ones. It's a matter of perception." Progressive



The world is just a click away!

We are living in a fast, modern world and yet the irony is, the age old adage, 'a picture is worth a thousand words', still holds true. The first impression is still the last impression and IMAGE IS EVERYTHING.

You have to make a mark, leave an impression. Your logo, stationary, website - every little thing is a reflection of who you are and what you do.

The world has shrunk.

Geographical barriers no longer hold true. There is a new world in the making – one driven by information.

Do you need a presence? Do you want to make a statement, an expression?

## Kutumba: Not Just Another Folk Group

Kutumba has not only produced great renditions of classics, but unlike most other groups in this genre, they have also displayed their musical ingenuity by composing compelling originals And their live performances are guaranteed to make you smile, if not jump up on your feet to dance, or lose yourself in hypnotic tunes. Or all at once! PREENA SHRESTHA



The only group of musicisnas ot breakthrough internationally have been Sur Sudha, who reached the No.1 spot on Billboards Charts in the International Music charts with their traditional folk music. But the genere has been struggling at home over the years and has had little significant international acclaim, perhaps with the exceptions of few individual artsts like the flutist Manose Singh, who recently worked with Robby Kreiger, the drummer of the rock group The Doors. Rooted in the traditions of art and community, it survived best among people and societies untouched by elements of commercialization. But with the growth of urban influence and the rise of popular music came its decline, and today, it is no longer practiced extensively, except in isolated areas or among hobbyists. It is in reviving and preserving this lost tradition that the members of Kutumba found their calling.

#### Background

"Basically, our purpose was to bring to life as many traditional Nepali instruments as possible," explains Pavit Maharjan, who plays assorted local percussions in the band. "It was to restore folk music to its rightful place," he adds. Once part of the Shukrabar team, a monthly event for classical and traditional artists in Nepal, the band soon realized that instead of classical music, they wanted to focus on playing folk. And so, Kutumba was formed in February 2004 with seven members-Rubin Kumar Shrestha and Suresh Kaji Shrestha on flute, Rashil Palanchoke on sarangi, Arun Manandhar on tungna, Pavit and Raju Maharjan on percussions and Shambhu Manandhar on effects.

Their initial collaborations resulted in the self-titled debut album "Kutumba", which was released in May 2004. All 10 tracks on the record were improvised versions of popular folk tunes and it was well-received. Following closely at the heels of the album's success was "Folk Roots", their sophomore compilation, released in November, which consisted once more, of 10 beautifully improvised folk melodies. While recording is a big part of the band's concern, it is playing live that remains their true passion. "We've performed numerous times at the Patan Museum and the Yala Maya Kendra," remembers Pavit. "We've also participated in many fundraisers and charity events, played around Thamel, Kirtipur, and quite a few other places as well," he says.

#### Exploring Our Folk Roots

With its diverse ethnic influences, religions and languages, Nepal has a rich cultural and artistic heritage. Instruments like the sarangi were played by the 'gaine', originally fishermen, now traveling minstrels. The 'damai', on the other hand, who are both musicians and tailors, participate in *panchai baja*, a form of band consisting of drums, cymbals and shawns. The ancient Newars, however, have rhythms that are mostly percussion-based, accompanied by flute. The music has been passed down by oral tradition for generations and it brings with it a sense of community.

Folk music is, therefore, in the original sense of the term, music by and of the people. "Its completely authentic," claims Pavit. "It speaks of a way of life that existed in the past that needs to be conserved." In a country where its practically unheard of for young people to take up this genre of music, Kutumba has managed to defy the odds and is now in a league of its own. "What makes us different is the fact that we're non-commercial," says Pavit. "We don't approve of packaging and distributing music for the sole purpose of making a profit."

#### What's coming up?

Kutumba's vet-untitled third album is due sometime after Tihar (November). This time, they've focused more on original compositions rather than play around with older tunes. They have also dug up an impressive collection of rare old instruments and have been experimenting with them, trying to find new sounds. "We've attempted to find new styles and fresh ideas," explains Pavit. "We're not professional musicians; we learn more and more as we go along." Recorded in Little Star Studio over a period of six months, the band has completed seven tracks for the new album and three more are in the offing.

- giving the folk/traditional music in Nepal a much needed revival, especially to this generation of emerging adults and music enthusiasts in Nepal.
- its music that your tired sould, if not your ears, beg to continue listening to.

More info on: the process of writing these originals...is it done in paper.. or is it jam session based...? Do they write their music in theory as well? How they do they arrange the music..? What has influenced the sound in their new album?













16 | NEPALI AAWAZ

## शान्तिका लागी देशभर संगीत यात्रा

ANUSHIL SHRESTHA

एशोसिएशनको आयोजना नेपालयको ब्यावस्थापनमा देशमा स्थायी शान्तीको कामना गर्दै २८ असोज देखी पुर्वी नेपालको बिर्तामोडबाट शुरु भएको सुन्दर शान्त नेपाल, शान्ति संगीत यात्रा -२०६२ , अन्तिम चरणमा पुगेको छ। संगीत यात्राको समापन १३ कार्तिकमा भक्तपुर दरवार स क्वायरमा हुने छ।

स्वरको जस्ता चेतनामुलक गीतहरु प्रस्तुत गरेर दर्शकको मन जितेका थिए। गायक स्वरुपर ाज आचार्यले "जहाँ छन बुद्धका आँखा...." गीत प्रस्तुत गर्दा आफ्ना बुबा भक्तराजको स वर बिर्साएका थिए।

यात्रामा कलाकारहरुले राष्ट्रिय गीत संगै ज्योति घिमिरेले अन्जान तिमी नबन है.. र



बिर्तामोडको देवी निमावीमा यात्राका सहभागी कलाकारहरुले एकसाथ बसन्त शब्दहरुमा स्वर दिदै "देश हाम्रो यस्तो होस् ....." गाएरसंगीत यात्राको सुभारम्भ गरेका थिए । राष्ट्रिय गीत गाएर कालाकारहरूले देशमा शान्तिको चाहना ब्याक्त गरिरहदा उनीहरुलाई हज्जारौको संख्यामा रहेका दर्शकले स्वरमा स्वर मिलाएर साथ दिए।

देशमा विद्यमान द्धन्द्धका कारण निम्तीएको अस तब्यास्त स्थितीमा शान्ति स्थापनार्थ देशब्यापी सन्देश फैलाउने उदेश्यले सुरु भएको संगीत यात्रामा तीन देखी चार घण्टा सम्म हज्जार ौको संख्यामा रहेका दर्शकले कलाकारहरुलाई साथ दिदै आएकाछन ।

पुर्वी नेपाल बाट सुरु भएको संगीत यात्रा देशका आठ स्थानमा सम्पन्न हुनेछ। भापाको बिर्तामोडबाट सुरु भई यस पटको शान्ति संगीत यात्रा हेटौडा, दाङको घोराही, धनगढी, पाल्पाको तानसेन, दमौली, दोलखाको चरिकोट र अन्त्यमा भक्तपुरमा पुगेर टुङ्गिने छ।

कार्यक्रममा नेपथ्यका अमृत गुरुड्ले श्याम तमोटको शब्द संगीतको चर्चीत गीत "गाँउ गाउँबाट उठ, वस्ती वस्तीबाट उठ....", रि मालको "रातो र चन्द्र सुर्य जंङ्गी निशान हाम्रो...", "आपसमा लडी के पायौ भन, दाजु र दीदी ..." जस्ता चेतनामुलक गीतहरु प्रस त्त गरेर दर्शकको मन जितेका थिए। गायक स्वरुपराज आचार्यले आफ्ना बुबा भक्तराजको नसालु तिम्रो आँखाले.... सपनाश्रीले हेरेको ओमविक्रम विष्टले सदाबहार गीत म मौनतामा.., सुनचाँदी भन्दा.... ,को हो त्यो ...गाएर धेरैलाई नचाएका थिए। स वरुपराज आचार्यले हल्ला नगर...सत्यराजले मुटु जलिरहेछ...आदी गीत प्रस्तुत गरेका थिए कुन्ती मोक्तानले लोकप्रिय गीतहरु लालीगुराँस अजम्बरी.., हुम्ला-जुम्ला जाने हो ..., चोली राम्रो पाल्पाली ढाकाको... मीरा राणाले मखमली चोलो.., बाडुली लाग्यो बाडुली... र भोलि भेटौंला.... गाउँदा बालबालिका र महिलासहित उपस्थित धेरै दर्शक हात हल्लाउँदै नाचेका थिए। नेपथ्य समूहका अमृतले र ाष्ट्रिय भावनाका गीत पनि गाइसकेपछि सा कर्णाली..., भेडाँको उनजस्तो...छेक्योछेक्यो, रेसम... जस्ता गीतले मनोरञ्जन दिएका थिए

आयोजनाको स्थानीय संयोजन स्थानीय स्तर का संघ, संस्था, नेपाल पत्रकार महासंघ, विभीन्न बिद्यालय आदीले गरेका थिए। सबैले कार्यक्रम हेरुन भनेर खुल्ला रुपमा आयोजना हुने यस संगीत यात्राको टिकट दर १० रुपैया मात्र राखीएको छ । सबै ठाँउको कार्यक्रम सञ्चालन व्रजेश खनाल र इन्दिरा जोशीले गरेका थिए भने नब्बे जनाको सो टोलीले दुई सातामा आफ्नो सांगीतीक यात्रा पुरा

नेपालयका किरणकृष्ण श्रेष्ठ अहिले देशले

## नेपाली तारालाई नगद पुरस्कार सहित

सम्मान

ANUSHIL SHRESTHA



Deepak Limbu

प्रथम नेपाल ताराको उपाधी विजेता दीपक लिम्बुलाई हालै एक समारोहका वीच धरानका ५५ संघ संस्थाहरुले संयुक्त रुपमा सम्मान पत्र सहित धरानका नगद ६२ हजार प्रदान गरेका छन।

सुनसरीको प्रकाशपुर निवासी दिपक लिम्बुले धरानबाट सांगीतिक गतिवीधी र शिक्षा स्रु गरेकाले पनि धरानवासीका तर्फबाट सम्मान गरिएको आयोजकले जनाएको छ । गायक लिम्बुलाई प्रमुख अथिति बरिष्ठ गायक दिप श्रेष्ठले दोसल्ला ओढाएर सम्मान गर्नुभएको थियो । किराँत याक्थुङ् चुम्लुङ धरान नगर कमीटीको संयोजनमा सम्पन्न सो समारोहमा चुम्लुङका नगर अध्यक्ष दुर्गामाया लिम्बुकार्यक्रमका संयोजक गजेन्द्र ईस्पोले प्रशंशा पत्र, नगद प्रदान गर्नुभएको थियो।

लिम्बुलाई सम्पुर्ण धरानवासिको तर्फबाट सम्मान गरेपछि प्रमुख अतिथि बरिष्ठ गायक दिप श्रेष्ठले मान सम्मान पाएर दीपकले आफुलाई भुल्न नहुने बताए। "यहा क्षणिक नाम कमाउनेहरु थ्प्रै छन् । त्यो भिडमा दिपकले राम्रो सांगीतिक बाटो लिएर सवैखाले गिती प्रतिभाका साथ आफ्नो सांगीतिक यात्रा अगाडी बढाउदै लगेकाछन ।" श्रेष्ठले भन्नुभयो । सम्मान पछि दीपक लिम्बुले सम्मानबाट जिम्मेवारी थिपएको बताए। आफ् नो उत्साह, साहस भनेकै दर्शक श्रोताहरु मात्र भएको बताउदै उनले भने "तपाँईहरुलेनै मलाई सांगितिक फाँटमा पहिलो नेपाली तारा बनाईदिन् भएकोमा तपाँईहरु समक्ष मेरो श्रद्धा एवं हार्दिक कृतज्ञता रहिरहनेछ।"

कार्यक्रममा दिपकले आधा दर्जन गीत गाएर दर्शकको मन जितेका थिए भने प्रमुख अतिथी दिप श्रेष्ठले पनि आफ्नो चर्चीत गीत-"वितेका कुराले..." गाउनुभएको थियो। जसकुमार र ाई र मोहन श्रेष्ठले संञ्चालन गरेको दुई चरणमा सम्पन्न कार्यक्रममा कुशल थलङ्ग, मनु सुब्बाले पनि गीत प्रस्तुत गरेका थिए। कार्यक्रमको लागी सुन्दर साउण्ड धरानले ३५ हजार बराबरको साउण्ड सिस्टम निश्लक उपलब्ध गराएर सहयोग गरेको आयोजकले बताए ।

With music legend Deep Shrestha



NEPALI AAWAZ | 17 OCTOBER 26-NOVEMBER 8 2005

## हरिस र प्रिती हङकङमा





Left: Preeti Kaur; Right: Haresh Mathema गायक हरिस माथेमा, प्रिती कौर एवं स्थानिय नेपाली व्याण्डहले गएको असोज ३० गते हङकङको कउलुनपार्क साह्रै व्यस्त र पृथक बनाए। नेपाली गीत संगीतले त्यहाँको वातावरण पुरै नेपालीमय बन्यो। हरिस र प्रितीको प्रस्तुतिले नेपाली तथा विदेशीमुलका दर्शकहरुलाई समेत मज्जाले नचाइरहेको दृष्य हेर्न लायक थियो।

प्राय नेपालीहरुको जमघट भईरहने कउलुन पार्कको 'पियाजामा' कन्सर्ट मैदानमा सम्पन्न भएको दसैं सांगीतिक उत्सव कार्यक्रममा हङकङका चर्चित स्थानिय कलाकारहरुबाट समेत विभिन्न गीत तथा

नृत्यहरु प्रस्तुत गरिएको थियो । खुल्ला मैदानमा, शुलभ टिकट दरमा सम्पन्न भएको सो कार्यक्रममा हरिसले आफ्ना १ दर्जनभन्दा बढि चर्चित गीतहरु प्रस्तुत गरेका थिए । प्रितीले पनि आफ्ना चर्चित गीतहरुका साथमा अंग्रेजी गीतहरु समेत प्रस्तुत गरेकी थिइन् ।

आइतवारको विदाको दिनलाई सदूपयोग गर्न कार्यक्रममा भेला भएका सबै पूस्ताका नेपालीहरुमाभ्त हरिस र प्रितीले आफ्नो छुट्टै स्थान बनाउन सफल भए । स्थानीय कलाकार राजु गुरुङले समेत हरि सलाई गीत प्रस्तुत गर्न सहयोग गरेका थिए । पुरुष दर्शकहरुको तुलनामा महिलादर्शकहरुको उपस्थित अधिकांशमात्रामा देखिएको सो कार्यक्रममा हडकडका नेपालीहरु युवाहरुको आधा दर्जन भन्दा बिढ व्याण्डहरुको सहभागिताले कार्यक्रममा थप र नैनकता छाएको थियो । उनीहरुले पिन नेपाली तथा अंग्रेजी गीतहरु प्रस्तुत गरेका थिए । इष्ट लाइफ, अनमोल, म्याड साइट, कापा, एन्जल लगायतका व्याण्डहरुमा नेपालीतथा चाइनिज गायक कलाकार हरुले सहभागिता थियो । अनिषा लिम्बू, तनुजा गुरुड, जमुना गुरुड, अनु गुरुड, रंजिता तुलाधरले कार्यक्रममा नेपाली तथा हिन्दी गीतहरुमा नृत्य प्रस्तुत गरी कार्यक्रमलाई विविधताा दिवै दर्शकहरुलाई

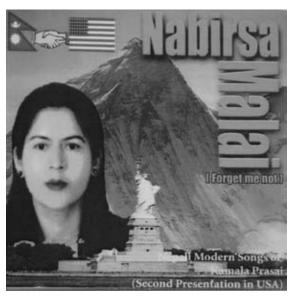
रोमाञ्चक प्रदान गरेका थिए।

द नेप्लिज युथ अर्गनाइजेशन हड़कड़को आयोजनामा सम्पन्न भएको उक्त दसै रमभ्रम सांगीतिक कार्यक्रममा दिपेन्द्र मान सिंह, राजु लामा, राजेश खड़् गी लगायतका कलाकारहरुसमेत हरिस र प्रितीको साथमा हड़कड़ आएका थिए। प्रतिब्यक्ति तीस डलर प्रवेश शुल्क लिइएको सो कार्यक्रममा ३ हजार भन्दा बढि दर्शकहरुको उपस्थिती रहेको कार्यक्रम संयोजक प्रदिप थापाले नेपाल समचारपत्रलाई बताउनु भयो। कार्यक्रम बेलुकि ९ बजेसम्म सम्पन्न भएको थियो।

## On Shelves Now: Kamala Prasain

Songwriter Kamala Prasain launched her latest album at a function here in New York. The latest studio set is titled 'Nabirsa Malai [Forget Me Not]' consists of 8 songs, all written by Kamala and performed by Junu Rijal, Manish Prasai, Birendra Jha and Rama and Sapana Shree. Kamala, currently residing in New York, has dedicated the album to her mother Jayanti Prasai and her late father Narayan Prasai.





18 | NEPALI AAWAZ OCTOBER 26-NOVEMBER 8 2005

#### Dasain in Houston, Texas.

On 15 Oct., the Nepali community here celebrated this year's dasain at the Maharjah Restaurant. The event, organized by Nepalese Association of Houston (NAH), was a party featuring Durga Bhajan/Aradhana and the traditional dashain ko tika followed by cultural shows and a delicious dinner. During the event, Ashish Shrestha, who designed the NAH logo is also the webmaster of the NAH website www. houstonnepalese.org, was recognised for his outstanding contributions to the Nepali Community here. NAH president Dr. Rajendra Shrestha also highlighted the significant contributions made by the organisation's general secretary Pradhumna Shrestha, who will soon move to Austin, Texas. Pradhumna Shrestha has been with the NAH for

#### Dasain in Bangkok, Thailand.

The Nepali student and working professional community here hosted perhaps one of the most elaborate day long

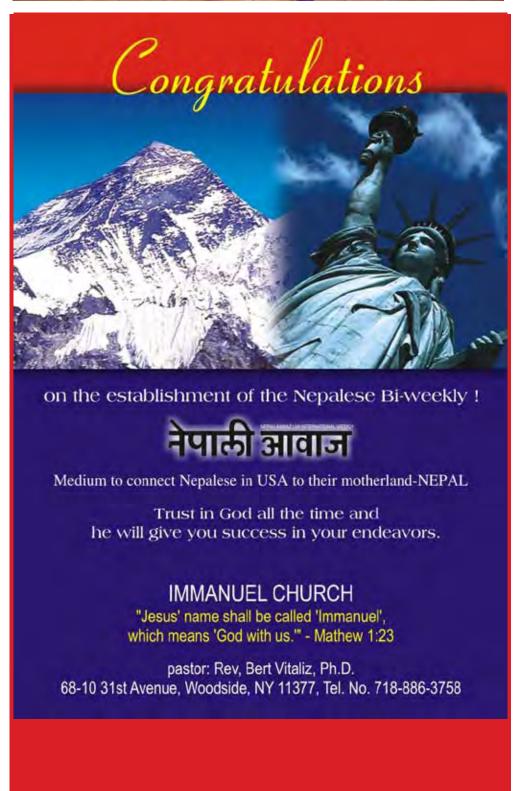
celebration of Dasain. Almost 200 Nepalis, either working or studying, gathered for the Dasain celebration at the Asian Institute of Technology which started at 9AM with poojas and registration of participants. After several rounds of fun and games, the much anticipated Nepali lunch with the almosttraditional khasi ko masu was served. A football match between students from different universities v/s working professionals from different organisations was also held, which the students lost with the final score at 2:1. Later in the evening, cultural shows were held at AIT's Auditorium. The show, inagurated by Nepalese Charge de'affairs (Acting Ambassder) to Thailand Mr. Chandra Kant Mainaly, seemed to be the most exciting for many parents and young children present and lasted for almost three hours with everything form traditional dances to solo flute performances and singing to stand up comedy. A raffle draw during the show boasted a two way ticket from BKK to KTM as the first prize. Soon, dinner was served, after which a round of Bingo was hosted before the floors were open to DJ music and dance sessions past 1AM.



Top: Cultural show in Bangkok; Below: Gathering in Houston







OCTOBER 26-NOVEMBER 8 2005 NEPALI AAWAZ | 19

FOOTBALL

## Little Leagues Going Big Places

Nobel Academy of Nepal became the first foreign team to win the Subroto Mukherji Cup (Under-17) after they edged past Government Model School of Chandigarh at the Ambedkar Stadium, New Delhi. The Nepali side won 2-1 in sudden death after they went 1-1 draw in the regulation and extra time; and penalty shoot-out too couldn't decide the match. After the tiebreaker was stalled at 4-4 and the first two suddendeath penalty being converted, Nepali goalkeeper Rupak Shrestha saved a shot from Robin Singh which created an opportunity for the Nepali team. Rabin Shrestha stepped up to the line and scored the second sudden-death goal, leading Nepal to win the title.

There is, however, another challenge that the Nepali U-17 team must overcome to prove their excellence. Asian Football Confederation (AFC) is organizing the U-17 qualifying round football tournament under the supervision of ANFA at Dasrath Stadium from November 13-17. Along with Nepal, Uzbekistan and Kyrgyzstan are vying for the second round spot after playing round robin matches. Though two Russian blocks have been grouped with Nepalese team, team coach Raju Shakya is sure to cross the hurdles. U-17 captain Rupak Shrestha believes that current squad will easily rider over those bigwigs.

And here is the fixture:

Uzbekistan Vs Kyrgyzstan on 13th November 2005 Kyrgyzstan Vs Nepal on 15th November 2005 Nepal Vs Uzbekistan on 17th Nov 2005

While the U-17 team came out victorious at the games, the Under-14 team from Nepal failed to win the U-14 Subroto Cup after they lost to Army Boys of Assam in the final. Nepal lost 5-3 in the penalty shoot-out. Captain Nirajan Malla failed to score while Ravi Thapa, Shiva Shrestha and Naresh Shrestha scored the spot-kick. The match was locked 2-2 in regulation time. Bobo Singh scored two for the Army Boys while Ganesh Khadka and Jagjit Shrestha scored for Nepali side. Nepal pocketed Rs 32,000 as cash prize.

## Nepal one step down in FIFA world ranking

Nepal, being bereft from International matches since 2004, has stepped down one more step to 180 with 142 points in the FIFA world ranking for October, published by FIFA. Pakistan team has retained its 169th positions while others south Asian countries: India, Maldives, Sri Lanka and Bangladesh are also ahead of Nepal. Bhutan is in 189th position while Japan has moved up to 16th in the world making it the top list in

amongst Asian countries.

#### Nepal eyes AFC Challenge Cup

Nepal has a good chance of co-hosting the Asian Football Confederation (AFC) Challenge Cup in 2006, according to visiting AFC Vice-president Mani Lal Fernando. The Sri Lankan who was in Kathmandu to attend a decoration ceremony said that the successful organization of AFC President's Cup in April/May this year has convinced AFC that the country is capable of hosting the 16-nation AFC 'C' category championship. Fernando came to Kathmandu to receive the Prabal Gorkha Dakshin Bahu bestowed upon by King Gyanendra for his support in the organization of AFC President's Cup. He, along with AFC President Mohammad Bin Hammam, was honored with the award but the latter could not attend the function due to flight problems. The decision of hosting AFC challenge Cup will be decided at the AFC ex-co meeting on November 27.

## TBS PTA Trophy Charity Football

TBS Orient FC, in association with British School and its parents and teachers association, is organising the TBS PTA Trophy football tournament here at Dasharath Stadium on October 30. The league-cum-knock out tournament will have matches of 40 minutes each. The tournament was a fundraiser for the street children residing in Sathsath, a foster home. Eight teams participating are British Embassy, British Gurkha 'A' and 'B', Fohora Durbar, TBS Orient, Sankhu MKM Hospital, Central European Team, Buddha Air and Inter GPS. It was also informed that the organizer aimed at hosting the tournament more as a family gathering among the expatriates. Tickets will be priced at Rs. 10 for Nepalis and Rs. 100 for foreigners. An exhibition match between the students of TBS and the street children of Sathsath is also being organized in the tournament.

#### CRICKET

## Bhairahawa retains U-19 cricket title

A disciplined bowling performance helped Region No 4 Bhairahawa win the Wai Wai Under-19 National Cricket Tournament defeating Region No 3 Kathmandu by seven wickets at the TU Cricket Ground. Star-studded Kathmandu led by captain Paras Khadka just couldn't come up with the batting performance. The home team was bowled out in 38.1 overs for mere 65 runs. Defending champion Bhairahawa reached the target in 23.1 overs losing only three wickets. It was also a sweet revenge for Bhairahawa as Kathmandu had defeated it by eight wickets in the league round. Subash was declared man of the match and

pocketed Rs 5,000 as cash prize. Bantu Bataju of Kathmandu and Akash Gupta of Bhairahawa were awarded the best bowler and batsman of the tournament respectively and received Rs 10,000 each. Birgunj's Suraj Timilsina was declared the man of the series and won Rs 15,000 in cash prize.

#### U-19 Update

Cricket Association of Nepal (CAN) has started closed-camp training for the upcoming ACC Under-19 Cricket Tournament under Roy Dias from Oct 18. ACC U-19 Cricket Tournament begins on Nov 9 in Kathmandu and the winner will qualify for the Youth World Cup 2006 in Sri Lanka. Nepal is a twotime defending champion. The team comprises of Kaniska Chaugai, Paras Khadka, Sarad Vesawkar, Basant Regmi, Yashwant Subedi, Gyanendra Malla, Mahesh Chhetri, Prem Chaudhary, Ratan Rauniyar, Akash Gupta, Antim Thapa, Pawan Das, Dipen Shrestha, Avay Rana, Sashi Keshari, Raj Shrestha and Bantu Bataju. Amrit Bhattarai, Vijay Thapa, Puspa thapa, Nirmal Simangaida and Suraj Timilsina will also join the team for the training.

Similarly, Asian Cricket Council (ACC) has published the schedule for the upcoming ACC Under-19 Cricket Tournament. According to the schedule, host Nepal is playing against Bahrain on Nov 8 at the TU Cricket Ground and against Brunei the next day at Tundikhel. Top two teams from the group will qualify for the quarterfinals to be held on Nov 16. The final of the event will be held on Saturday, Nov 19 at the TU Cricket Ground.

GROUP A Nepal Bahrain

Brunei

GROUP B Kuwait Afghanistan U.A.E. Iran

GROUP C Qatar Singapore Oman Thailanad

GROUP D Malaysia Hong Kong Saudi Arabia Maldives

#### Schedule

8th Nov

Nepal v Bahrain at TU Ground Kuwait v Afghanistan at Tundikhel Qatar v Singapore at Eng Ins Malaysia v Hong Kong at BSAMV Ground

9th Nov Malaysia v Saudi Arabia at TU Ground U.A.E. v Iran at Tundikhel Oman v Thailand at Eng Ins Nepal v Brunei at BSAMV Ground 10th Nov

Kuwait v U.A.E. at TU Ground Saudi Arabia v Maldives at Eng Ins Qatar v Oman at BSAMV Ground

12th Nov

Hong Kong v Maldives at TU Ground Singapore v Thailand at Tundikhel Afghanistan v Iran at Eng Ins

13th Nov

Qatar v Thailand at TU Ground Malaysia v Maldives at Tundikhel Bahrain v Brunei at Eng Ins Kuwait v Iran at BSAMV Ground

14th Nov

Singapore v Oman at TU Ground Hong Kong v Saudi Arabia at Tundikhel Afghanistan v U.A.E. at BSAMV Ground

Quarter-Finals (16th Nov) QF-1: A1 v C2 at TU Ground QF-2: B1 v D2 at Tundikhel QF-3: A2 v C1 at Eng Ins QF-4: B2 v D1 at BSAMV Ground

Semi-Finals (17th Nov) SF-1: QF1 v QF2 at TU Ground SF-2: QF3 v QF4 at Tundikhel

Finals (19th Nov)
Winners of Semifinals at TU Ground

## ACC Fast Track Countries Tournament

It was Mehboob Alam's day at the TU Cricket Stadium as Nepal raced to an amazing victory of an innings and 66 runs over Malaysia in the ACC Fast Track Countries Tournament match, to qualify for the ICC Inter-Continental Cup 2006. Mehboob scored a century to help Nepal pile up 300/8 in 88.1 overs and took two wickets in the first over of the Malaysian second innings, in which they were bowled out for a paltry 102. Man of the Match Mehboob had taken two wickets the previous day to help bundle out Malaysia in its first innings for 132. With the victory, Nepal added 30 points to its 57.5 points earned from it's earlier three matches to go the top of the points table. Malaysia, who got 8.5 points, is in second position with a total of 79 points. UAE and Singapore, with a game remaining between them, have 70 and 52 points respectively. If Singapore beat UAE in the last tie of the ACC FTCT, Nepal will win the title. Even a draw can give Nepal the trophy. The top three teams from the five-nation event qualify for the ICC Inter-Continental Cup. Even Malaysian coach Michael John Bailey could not stop praising Nepal's game. "Nepal outplayed us in every department," he told the press. "They thoroughly deserved to win."

GOLF

Diwali Golf Tournament

Thai Juti Tham won the Diwali Golf Tournament played at the picturesque Le Meridien Gokarna Forest Golf Resort & Spa. The tournament played over 18 holes on stableford 7/8 handicap format was organized by Surya Nepal in association with the resort. Juti Tham, playing with seven handicap, scored 37 points with the help of four birdies to edge Major Bejoy Moktan by a point. BH Choi won the ladies category securing 29 points. Dynamic veteran, Tashi Ghale got the best gross award with 31 gross points. Ace golfer CB Bhandari hit the longest drive and Raj Pradhan was closest to the pin. The tournament featured 50 golfers including six from Delhi.

#### Lachhimi clinches Hayata Cup

Major Lachhimi Prasad Gurung edged Captain Machhindra Bahadur Rai to win the 15th Dr Hayata Cup Golf Tournament at the Royal Nepal Golf Club. Gurung netted 38 points to win the title beating Rai by two points in the tournament played in stableford full handicap format. Chuda Bahadur Bhandari won the best gross award, while Deep Bahadur Basnet bagged the most birdies award. Similarly, Himalayan SJB Rana, Major Bejoy Moktan and Sandhya Rai were the winners in the super seniors', seniors' and ladies' category respectively. The tournament that started way back in 1991 featured 59 golfers including five ladies, four super seniors and 19 seniors in this edition and offered as many as 30 prizes. Other winners: Longest Drive (13th hole) - CB Bhandari; Longest Drive Ladies' (13th hole) - Shastika Shrestha; Most Birdies - Deep Bahadur Basnet; Most Par (Ladies') - Kaushi Maya Rai; Closest to the Pin (8th hole) - Captain Machhindra Bahadur Rai; Rookie Prize - Jahan Singh Rumdali; Closet to the Pin Ladies' (12th hole) - Sandhya Rai; Lucky 15th - Mani Lal Thapa; Best Sportsmanship - Govinda Karma Thapa.

#### OTHERS

## Nepali athletes set for Frankfurt Marathon

Nepali athletes Arjun Kumar Basnet of Tribhuvan Army Club and duo Akkal Bahadur Bohara and Arjun Kumar Dhakal of Gyanendra Armed Police Force Officers' Club have left to take part in the international marathon on October 30 to take place in Frankfurt, Germany. It is the first time that Nepali long distance runners have taken part in a European marathon. General Secretary of Nepal Athletics Association Coach Sushil Nurshing Rana and director of Nepal German Athletics Development Project Gunter Lange will accompany the athletes. Among the three, Basnet holds the best record. The Tribhuvan Army Club runner won the silver medal in ninth SAF Games held in Islamabad with the timings of 2:21:21, his personal best. Dhakal, who does not have international marathon experience, posted the timings of 2:36:51 to win the Kathmandu Toyota Marathon last year, while Bohara finished 10th in the Asian Marathon Championship held in Korea in November 2004 with the timings of 2 hour 36 minutes. Besides Bohara's participation in Korea, Nepal has not entered in international marathons, except for regional events like SAF Games. German government sponsored two air tickets, while Qatar Airways and the NSC gave away one apiece. Coach Rana was optimistic about the athletes' performance in Frankfurt. He said, "This will build up for next year's event, the 10th South Asian Games."

#### Himalayan Bank Limited Leads Corporate Games

Himalayan Bank Limited (HBL) faced Soaltee Crowne Plaza in the finals of the first ever DHL Corporate Basketball Tournament. HBL, the comparatively stronger team, was right on top from the very start and blew away the hoteliers, 65-36. Hitendra Baruwa was HBL's top scorer for the finals with 24 points. He was also named most valuable player of the tournament and tournament's highest scorer with 84 points from four matches. HBL also won the "Sharpshooters Competition" making a total of 7 baskets out of 25 free throws. Earlier in the semi-finals, two teams of bankers battled for the final spot. HBL had to fight hard for every point against Standard Chartered Bank to finally win 51-39. The second semi-final was no less different. Soaltee Crowne Plaza and Jyoti Group had the do or die spirit and each player ran, jumped and dribbled to make the maximum points for their team. Soaltee Crowne Plaza beat Jyoti Group by 31-23.

Twelve teams participated in the threeday tournament organized by DHL in association with Nepal Basketball Association (NeBA). Each team had two professional players playing as guests to support the teams.



## हङकङको बुढासुब्बा हेई हेईको पोल्टामा देवाराज राई, हडकडमा



नेपालको प्रतिष्ठित बुढासुब्बा गोल्डकप फुटबल प्रतियोगिताको हङकङ संस्करणमा हेई हेई फुटबल क्लवले हिमालयन फुटबल क्लवलाई ट्राइ ब्रेकरमा १ गोलका विरुद्ध २ गोलले पराजित गर्दै पहिलो हङकङ बुढासुब्बा गोल्डकप हात पारेको छ। उक्त प्रतियोगिता गत असोज २५ र २६ गतेका दिन कउलुन पार्कमा सम्पन्न भएको थियो।

कडा प्रतिस्पर्धा भएको फाइनल खेलमा विजयी बनेको हेई हेई फुटबल क्लवले विजयी बन्दै टुफी सहित सात हजार हङकङ डलर नगद पुरस्कार हात पार्न सफल भयो । उता उप विजेता बनेको हिमालयन फुटबल क्लवको भागमा भने चार हजार हङकङ डलर एवं ट्फी परेको थियो । फाइनल खेलमा उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन गर्ने विजेता टिमका खेलाडी हिमाल घलेलाई म्यान अफ द म्याच प्रदान गरियो। प्रतियोगिताभर उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन गर्ने थि स्टार क्लवका भूपू खेलाडी तथा न्यू डायमण्ड फुटबल क्लवका नरेन्द्र लिम्बूलाई बेष्ट प्लेयर घोषणा गरिएको थियो । साथै प्रतियोगिता अवधिभर सर्वाधिक ५ गोल गर्ने हिमालयन क्लवका खेलाडी दिपक आले हाइ स्कोरर बनेका थिए। लिग कम नकआउट प्रणालिका आधार मा सम्पन्न भएको उक्त सेभेन-ए साइड द्ई दिवसिय बुढासुब्बा गोल्डकप फुटबल प्रतियोगितामा हङकङमा रहेका ११ वटा नेपाली फुटबल क्लवहरुले सहभागिता जनाएका थिए । चार ओटा समूहमा विभाजन गरी खेलाइएको उक्त प्रतियोगिताको पहिलो दिन असोज २५ गते लिग चरणका खेलहरु सम्पन्न भएका थिए भने दोश्रो दिन असोज २६ गते फाइनल लगायत नक आउट चरणका सम्पूर्ण खेलहरु खेलाइएको थियो ।

एघार टिमहरु मध्येमा ३ वटा टिम चौविसे फुटबल क्लव, आइल्याण्डर फुटबल क्लव र नेप्लिज फटबल क्लवले लिग चरण पारगर्न असफल रहे। नक आउट चरण अर्थात क्वाटर फाइनलकालागि आठ टिमले प्रतिस्पर्धा गर्ने अवसर पाएकामा सेमी फाइनलसम्मको यात्रा भने हिमालय फ्टबल क्लव, चुम्लुङ फुटबल क्लव, न्यू डायमण्ड फुटबल क्लव र हेई हेई फुटबल क्लवले मात्र पाएका थिए। ती क्लवहरु मध्ये हिमालयन फुटबल क्लवले एभरेष्ट फुटबल क्लवलाई, चुम्लुङ फुटबल क्लवले आर्सेनिक फ्टबल क्लवलाई, न्यू डायमण्ड फ्टबल क्लवले धर ान फुटबल क्लव निलोलाई र हेई हेई फुटबल क्लवले धरान फुटबल क्लवको रातो टिमलाई पराजित गरेको थियो । फाइनलमा प्रवेश पाएको हिमालयन फ्टबल क्लवले चम्ल्ङ फ्टबल क्लवको सामना गर्न् परेको थियो । एक रोमांचक प्रतिस्पर्धामा हिमालयनले चुम्लुङलाई २-० ले पराजित गरी फाइनलका लागि आङ्गनो स्थान सुनिश्चित पारेको थियो । उता हेई हेईले हङकङका नेपालीहरुमाभ चर्चित बनेको न्यू डायमण्ड फुटबल क्लवलाई १-० ले पराजित गर्दे फाइनलकालिंग आफनो सुखद यात्रा तय गरेको थियो

फाइनलमा पुग्न सफल हेई हेई र हिमालयन विचको खेलमा निर्धारित समयमा गोल हुन नसकी बराबरी भएकाले समय थप गरिएको थियो । थप गरिएको समयमा पनि दुवै तर्फबाट कुनै गोल हुन नसकेकाले निर्णयकानिम्ति ट्राई ब्रेकरको सहारा लिनु परेको थियो । ट्राइब्रेकरमा हिमालयन फुटबल क्लवका दिपेन आलेले गरेको प्रहार मात्र सदुपयोग भएको थियो । हेई हेई फुटबल क्लवका हिमाल घले र सोहेन्द्र लिम्बूको प्रहारले जाली चुमे पछि नितजा हेई हेईको पक्षमा गएको थियो । प्रत्येक टिमले तीन तीन प्रहारगर्ने मौका प्राप्त गरेका थिए ।

धरान फुटबल क्लव धरानको सहयोगमा द नेप्लिज युथ अर्गनाइजेशन हङकङको आयोजनामा सम्पन्न उक्त प्रतियोगिताको उदघाटन सममारोहमा युथ अर्गनाइजेशनका अध्यक्ष बलराम राईको सभापितत्वमा सम्पन्न औपचारिक कार्यक्रममा एन्फाका केन्दीय उपाध्यक्ष एवं धरान फुटबल क्लवका अध्यक्ष किशोर राई प्रमूख अतिथिको रुपमा उपस्थित हुनुभएको थियो । उक्त उद्घाटन समारोहमा राईले नेपाली फुटबल विकासमा हङकङमा रहेका नपाली फुटबल खेलाडीहरुले खेल्न सक्ने भुमिकाका बारेमा बोल्नु भएको थियो ।

धरान फुटबल क्लवका कोषध्यक्ष एवं सुनसरी जिल्ला फुटबल संघका सिचव गोबिन्द राई, हङकङ नेपाली महासंघका उपाध्यक्ष अविचन्द्र इङनाम, हङकङ नेपाली पाठ्यक्रम विकास परिषदका अध्यक्ष एक राज राई, राखेपका भूपू सदस्य बिनोद राई, विशेष अतिथि रहनु भएको सो कार्यक्रममा धरान फुटबल क्लवका कार्यकारी सदस्य एवं हङकङ प्रतिनिधी बिनोद राई, डीएबी पार्टीका उप महासचिव एवं इथिनिक माइनोरिटी कमिटिका उपाध्यक्ष प्रोफेसर एम वाई वोड चो, डीएबी पार्टीकै टोनी ली, हुङ च वा, युङ बेन्नी लगायतका ब्यक्तिहरु अतिथिको रुपमा उपिस्थत हुनु भएको थियो।

उपाध्यक्ष सन्त राईले स्वागत मन्तव्य व्यक्त गर्नु भएको सो कार्यक्रममा अविचन्द्र इङनाम, एकराज राई, प्रोफेसर एम वाई वोङचो ले पिन शुभकामना मन्तव्य व्यक्त गर्नु भएको थियो। कार्यक्रमको अन्तमा अर्थात दोश्रो दिन प्रमुख अतिथि एवं युथका पदाधिकार ीहरुले पुरस्कार तथा मेडलहरु वितरण गरेका थिए। प्रतियोगिता नियमीतरुपमा आगामी वर्षहरुमा समेत संचालन हुने अयोजकहरुको भनाई रहेको छ।

## Asylum का लागि आवेदन गर्ने विधि र तौर-तरिकाहरु

विनोद रोक्का अमेरिकालाई नै कर्मक्षेत्र बनाई रहनुभएको एक सुपरिचित नेपाली वकील (एटर्नी) हुनुहुन्छ । अमेरिकामा र हनुभएका नेपालीहरुका लागि हरहमेसा कानूनी सरसल्लाह प्रदान गर्दै आउनु भएको उहाँ Asylum सम्बन्धी मुद्दाको लामो अनुभवका कारण यससम्बन्धी विशेषज्ञताप्राप्त एटर्नी मानिनुहुन्छ ।

अमेरिकामा रहेका नेपालीहरुका लागि Asylum यहाँ रहनका लागि अपनाइने एक उत्तम विकल्पका रुपमा उजागर भएको छ। खासगरी नेपालमा द्वन्दमा चपेटामा परेका र कुनै न कुनै रुपमा अमेरिका आइपुगेका नेपालीहरुका लागि यो एक रामवाण उपायका रुपमा देखापरेको छ। नेपाली आवाज त्यस्ता नेपाली दाजुभाइ तथा दिदीवहिनीहरुका लागि यथाशक्य नैतिक तथा कानूनी सहायता पुऱ्याउन कृतसंकिल्पत छ। यसै क्रममा हामीले कानूनी सल्लाहका लागि गरेको अनुर धि उहाँले हार्दिकतापूर्वक स्वीकार्न्भयो।

एटर्नी रोक्काले यसपाली सामान्य अवस्थामा Asylum सम्बन्धी कानुनी सल्लाह प्रयोजनको लागि केही सामान्य सल्लाहहरु प्रदान गर्नुभएको छ । तर, यी सामान्य सुफाव भएकाले यसैको आधारमा कसैले कुनै काम गरेमा त्यसको जवाफदेही जानकारी प्रदान गर्ने एटर्नी हुने छैन । प्रत्येक व्यक्तिको समस्या वेग्लावेग्लै खालको हुने हुँदा एटर्नीको सल्लाह अनुसार Asylum का लागि आवेदन गर्ने वा नगर्ने भनी निक्यौंल गर्नु उचित हुने छ । सम्पादक ।

आफ्नो देशबाट वाहिर तर अमेरिका रहेका ब्यक्तिले आफ्नो स्वेच्छा वा प्रतिरक्षा (Defence)को Asylum का लागि आवेदन गर्न सक्छन् । अमेरिकामा कानुनी तथा गैर-कानुनी रुपबाट प्रवेश गर्ने ब्यक्तिले आफ्नो स्वेच्छाले Asylum का लागि आवेदन गर्नुपर्दा USCIS को क्षेत्रीय कार्यालयसमक्ष I-589 निवेदन तथा Form मा मागे बमोजिमको विवरण भरी निवेदन दिनुपर्दछ । तर जुन ब्यक्तिलाई Immigration ले पकाउ गरी वा नगरी देशनिकाला गर्नका लागि अदालतसमक्ष कार्यवाही चलाएको अवस्थामा भने त्यो ब्यक्तिले Immigration Court को न्यायाधीशसमक्ष तथा UN को Convention Against Torture अन्तर्गत Withholding Asylum तथा Withhold को लागि आवेदन गर्न सक्दछ ।

Asylum को आवेदन गर्ने आधार अमेरिकाको अध्यागमनसम्बन्धी कानून Immigration & Nationality Act ले Asylum को लागि सर्वप्रथम त्यस् तो व्यक्तिले आफू Refugee (शरणार्थी) भएको प्रमाणित गर्नपर्दछ ।

#### Refugee को परिभाषा :

Refugee भन्नाले त्यस्तो ब्यक्तिलाई जनाउँछ जो आफू नागरिक भएको राष्ट्रबाट बाहिर छ वा जुन ब्यक्तिको आफुनो राष्ट्रियता

नै छैन । त्यस्तो ब्यक्ति हो भने आफू बसिर हेको देशबाट बाहिर छ भने अर्थात् अर्को शब्दमा भन्ने हो भने त्यस्ता ब्यक्ति हाल अमेरिकामा छन् र आफू नागरिक भएको देश वा अमेरिका आउनुभन्दा अगाडि वसोवास गरिरहेको देशमा फर्केर जान ईच्छुक छैनन् वा असमर्थ छन् किनकि उनीहरुले विगतमा सरकार वा सरकारले नियन्त्रण गर्न नसकेको समुह वा व्यक्तिबाट Race, Religion, Nationality, Membership in a particular group or Political opinion (जातपात, धर्म, राष्ट्रियता, कुनै निश्चित सामाजिक समुहः सेना वा प्रहरी सेवामा कार्यरत् ब्यक्तिहरुका परिवार आदि) र राजनैतिक विचारधाराको आधारमा यातना पाएको र भविष्यमा पनि त्यस्तो यातना दिईने प्रवल सम्भावना रहेको ब्यक्तिलाई जनाउँछ । यातना भन्नाले सामान्यतया ब्यक्तिको जीवन र स्वतन्त्रतामाथिको Threat हस्तक्षेप भन्ने ब्भिन्छ।

## Well founded fear of persecution प्रमाणित गर्ने आधारः

चित्तबुभ्त्दो रुपबाट Asylum को लागि आवेदन गर्ने ब्यक्ति ले (reasonable possibility) प्रमाणित गर्न्पर्छ कि निश्चित रुपबाट यातना पाउन सम्भावना छ । यस्तो यातना पाईने सम्भावना १०० मा ५० प्रतिशत भन्दा कम भएपनि हुन्छ तर मारिईने जोखिम यातना (Torture) वा अन्य यस्तै किसिमका यातनाको हकमा भने १० प्रतिशतसम्मको Chance देखिए पनि पुग्छ। यस्तो सम्भावित व्यक्तिको Subjective र Objective Component बाट प्रदर्शित भएको हुनुपर्छ । Subjective Component भन्नाले व्यक्तिले आफ् आफ्नो मस्तिष्कमा साँच्यै नै देश फर्केर जान भए डर रहेको देखाउनुपर्छ । ब्यक्तिले यसलाई सब्त प्रमाण वा बयानबाट प्रमाणित गर्नुपर्छ जसलाई मूल्याङ्गन गर्दा एउटा सामान्य सुभवुभ भएको ब्यक्तिले पनि यस्तो अवस्थामा डरको अन्भृति गरोस् ।

#### Asylum सम्बन्धी नयाँ कानूनी प्रावधानः

Asylum सम्बन्धी भैरहेको कानूनी व्यस्थामा भर्खरै Real ID ACT ले केही थपभार निवेदकहरुमा थपेको छ । जस अनुसार May 11, 2005 वा त्यसभन्दा पछाडि दर्ता गराईएको Asylum application मा निवेदकले वितेका समयमा आफू उपर भएको यातना र भविष्यमा हुने यातनाको भय (Fear) जात, धर्म, राष्ट्रियता, राजनैतिक विचारधारा र निश्चित वा चिनिन सिकने सामाजिक समुहको सदस्यता भएको आधारमध्येको कुनै एक वा सवैमा आफूले पाएको यातनाको Nexus रहेको प्रमाणित गर्नपर्छ ।

#### Asylum माग गर्न नपाउने व्यक्ति :

जुन व्यक्तिले अरुलाई यातना दिएको छ । जुन व्यक्ति अन्य मूलुकमा व्यवस्थित रुपले बसोबास

जस्ले दिएको Asylum पहिला नै अस्वीकृत भएको छ र परिस्थितिमा कुनै परिवर्तन आएको छैन । जस्ले अमेरिका आएको १ वर्षभित्र आवेदन दिएको छैन तर असाधारण परिस्थिति र देशको परिवर्तित अवस्था जस्ता कारण देखाउन सकेमा १ वर्ष पछि पनि दिन सकिन्छ ।

उचित समयभित्र नदिएमा।

जुन ब्यक्ति स्वभावैले अमेरिकाको सुरक्षाको लागि खतरा मानिन्छ ।

फौज्दारी (Aggressive Felony) अपराधमा साजाय पाएको ब्यक्ति ।

अमेरिकाको सुरक्षाको लागि खतरा भनि चिनिएको ब्यक्ति ।

Asylum को निवेदन दिने अवधि र सीमाः

अमेरिका प्रवेश गरेको १ वर्ष भित्र Asylum को लागि निवेदन गरिसक्न्पर्छ । यदि १ वर्षपछि Asylum को लागि निवेदन दिईन्छ भने निवेदन दिने ब्यक्तिले स्पष्ट चित्त बुभ्त्ने प्रमाणको आधारमा प्रमाणित गर्नुपर्छ कि ढिला हुनुको कारण आफ्नै देशमा भर्खरै भएको परिवर्तन तथा अमेरिकी कान्नमा भएको संशोधन हो भनी । तथापि यस्तो अवस्था परी ढिलो Asylum गर्न्पर्दा पनि आफूले थाहा पाएको मितिबाट धेरै ढिलो गर्नु हुँदैन । यस अलावा व्यक्तिको काबूवाहिरको कारणले आसामान्य परिसि थित (extraordinary circumstances) सिर्जना भई १ वर्षको समयभित्र Asylum को निवेदन दिन नसकेको अवस्था प्रमाणित गर्न सकेमा १ वर्ष ढिलाई भए पनि क्षमा हुनसक्छ । यस्तो अवस था सामान्यतः नराम्रोसँग विविध कारणले विरामी पर्नु नावालकपन, असक्षम एटर्नीको कानुनी सहयोग आदि पर्दछन्।

आगामी अंकदेखि तपाई यसैस्तम्भमार्फत् एटर्नी विनोद रोक्कासमक्ष Asylum सम्बन्धी कुनै पनि प्रकार का प्रश्न/समस्याहरु पठाउनसक्नुहुन्छ । हामी उहाँको उत्तर प्रस्तुत गर्ने छौं।

प्रश्नका लागि ठेगाना : कानूनी सल्लाह नेपाली आवाज info@nepaliaawaz.com

अथवा :

एटर्नी विनोद रोक्का

त्जभीवध यााष्प्रभक या च्यपव ७ व्ककयअष्वतभक एऋ

ज्ञह्दण चचयवमधवथ, क्यप्तभ३ डण्ज

चभतधभभल घण्तज ७ घज्ञकत क्तचभभत, ल्भध थ्यचप,

त्भिस इज्ञद्द इघढ घज्ञण्ज, बहर इज्जद्द इघढ घज्ञण्द्ध



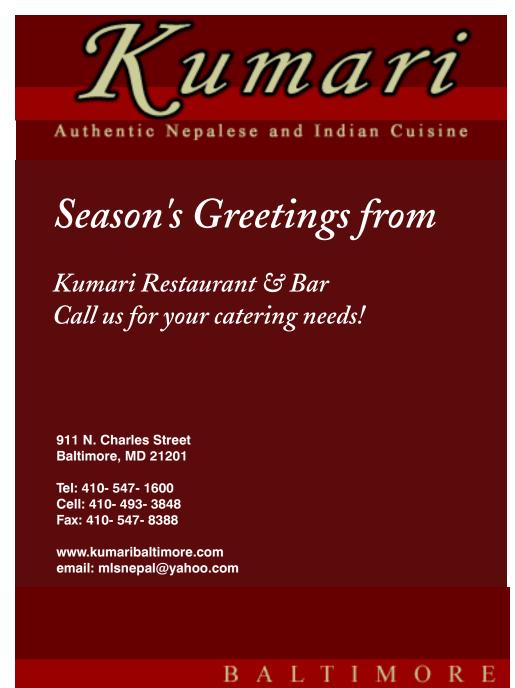
## SUBSCRIBE to NEPALI AAWAZ Online subscription available at:

www.nepaliaawaz.com

Subscription form also available on Page 21.

22 | NEPALI AAWAZ OCTOBER 26-NOVEMBER 8 2005





For the best deals in mobile phones for your family, come down to





Tibet Mobile. It's never been easier to stay in touch, even if you live in or live out! Wish you all a wonderful Tihar!

tibetmobile@gmail.com

73-19B 37th Road. (Movie Hall Line) Jackson Heights, New York, NY 11372

TEL: 718- 205- 2339

NEPALI AAWAZ | 23 OCTOBER 26-NOVEMBER 8 2005













Left Top to Bottom: Nepali girl dances at a Dasain celebration in Ridgewood, NY (Photo: Chandra Prakash); Nepalis enjoy Dasain dinner in Ridgewood, NY (Photo: Chandra Prakash); Gagan Thapa, second from left, visits Texas (Photo: Nepalis Association of Houston);

Right Top to Bottom: Nepali women dance at Dasain celebration in Bangkok, Thailand; a delegate from Nepal visits Baltimore (Photo: Chandra Prakash); Harvest season begins in Nepal (Photo: Bhushan Shilpakar)

24 | NEPALI AAWAZ OCTOBER 26-NOVEMBER 8 2005